दैनिक

बुलन्द मंज़िल

Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 125 | संभल, शुक्रवार 17 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

आवश्यकता है
मेरठ, हापुड़, बरेली, ग़ाज़ियाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ आदि शहरो में जनपद स्तर, तहसील स्तर, ब्लॉक स्तर पर पत्रकारों की आवश्यकयता है।
सम्पर्क सूत्र
मोब.- 8630704122

पेज :- 03- दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता पर अत्याचार...
पेज :- 04- अब लापरवाही नहीं चलेगी अमरोहा में अग्निकांड ....

महिला आरक्षण बिल पर लोकसभा में बोले पीएम मोदी

किसी के साथ नहीं होगा भेदभाव

सिर्फ राजनीतिक लाभ लेने के लिए बवंडर खड़ा किया जा रहा है

'अनुपात में भी कोई बदलाव नहीं होगा'

नई दिल्ली। संसद के विशेष सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में कहा कि परिसीमन में किसी राज्य के साथ भेदभाव नहीं होगा, ये मेरी गारंटी और वादा है। न ही लोकसभा में किसी राज्य का अनुपात बदलेगा।

संसद के विशेष सत्र में आज महिला आरक्षण कानून से जुड़े तीन अहम संशोधन विधेयक पेश किया गया। इन प्रस्तावों के तहत वर्ष 2029 से लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ संसद में सीटों की संख्या को भी बढाया जाना है। पीएम मोदी इस दौरान सदन में बोलते हुए सभी राज्यों को भरोसा दिलाया कि किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। 'अनुपात में भी कोई बदलाव नहीं होगा' पीएम मोदी ने कहा कि हमारी एक्टिविस्ट, संविधान के जानकारों से बात हुई। यहां बैठकर हमारे संविधान ने किसी को टुकड़ों में सोचने का अधिकार ही नहीं दिया। एक राष्ट्र के रूप में विचार करना हमारा दायित्व है। चाहे कश्मीर हो या कन्याकुमारी, हम एक साथ सोच सकते हैं एक साथ निर्णय कर सकते हैं। सिर्फ राजनीतिक लाभ लेने के लिए बवंडर खड़ा किया जा रहा है। मैं इस सदन से कहना चाहता हूं कि चाहे दक्षिण हो, उत्तर हो, छोटे राज्य हों या बड़े राज्य हों, परिसीमन प्रक्रिया किसी के साथ भी भेदभाव नहीं करेगी। पीएम मोदी ने सभी दलों को भरोसा देते हुए कहा, यह निर्णय प्रक्रिया किसी के साथ अन्याय नहीं करेगी। जिनके कालखंड में जो परिसीमन हुआ, वह अनुपात उनके समय से चला आ रहा है, उस अनुपात में भी कोई बदलाव नहीं होगा। अगर गारंटी कहिए तो मैं गारंटी देता हूं। वादा की बात करें तो वादा करता हूं। जब नीयत साफ है तो हमें शब्दों का खेल करने की जरूरत नहीं है।, 'हम उस अहंकार में न रहें कि हम देश की नारी शक्ति को कुछ दे रहे हैं' प्रधानमंत्री ने कहा कि हम भ्रम में न रहें, हम उस अहंकार में न रहें कि हम देश की नारी शक्ति को कुछ दे रहे हैं। जी नहीं। यह उसका हक है। हमने कई दशकों से उसे रोका है। आज उसका प्रायश्चित कर के उस पाप से मुक्ति पाने का यह मौका है। पीएम मोदी ने सभी दलों से अपील करते हुए कहा कि मैं इतना ही कहूंगा कि इसको राजनीति के तराजू से न तौलें। हम जब भी कुछ निर्णय लेते हैं उसका आधा जिम्मा जो उठा रहे हैं, उनका भी कुछ हक बनता है। संख्या के संबंध में भी पहले कहते थे कि जो संख्या थी, उसे बढ़ाने की बात ही चलती थी।

मजबूत और विकसित भारत का निर्माण केवल देश की मूल भाषाओं की नींव पर ही किया जा सकता है : द्रौपदी मुर्मू

वर्धा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण केवल देश की मूल भाषाओं की नींव पर ही किया जा सकता है। मुर्मू ने कहा कि भारत की सभी विविध भाषाओं में संस्कृति, संवेदनशीलता और चेतना की एक ही धारा बहती है। उन्होंने लोगों से अपनी मातृभाषा के अलावा कम से कम एक भारतीय भाषा सीखने की अपील की। राष्ट्रपति महाराष्ट्र के वर्धा में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, वर्ष 1936 में यहीं वर्धा में, महात्मा गांधी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आचार्य काका कालेलकर के साथ मिलकर हिंदी भाषा को बढ़ावा देने एवं उसका प्रचार-प्रसार करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की स्थापना की थी। उल्लेखनीय है कि महात्मा गांधी की मातृभाषा गुजराती थी, नेताजी की मातृभाषा बांग्ला और काकासाहेब की मातृभाषा मराठी थी। राष्ट्रपति ने कहा, इन महान आत्माओं ने देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता के माध्यम के रूप में हिंदी की शक्ति को पहचाना एवं इसका उपयोग किया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, हिंदी ने देश भर के लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने तुम मुझे खून दो और मैं तुम्हें आजादी दूंगा का आह्वान हिंदी में किया था। उन्होंने विश्वविद्यालय के नाम की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता के नाम पर इसका नाम रखना पूरी तरह से इतिहास के अनुरूप है। उन्होंने कहा, भारत की आत्मा भारतीय भाषाओं में अभिव्यक्ति पाती है तथा हमारी सभी विविध भारतीय भाषाओं में संस्कृति, संवेदनशीलता और चेतना की एक ही धारा बहती है। राष्ट्रपति ने कहा, यही कारण है कि मैं या मेरे जैसे अन्य ओडिया भाषी, हिंदी में मुंशी प्रेमचंद की कहानियों या महादेवी वर्मा की कविताओं के ओडिया अनुवाद पढ़ते समय उनसे सहजता से जुड़ सकते हैं। इसी तरह, हिंदी पाठक, फकीर मोहन सेनापति, गोपीनाथ मोहंती और प्रतिभा रे जैसे ओडिया साहित्यकारों से जुड़ते हैं। बांग्ला और संस्कृत के मिश्रण से बना हमारा राष्ट्र गीत वंदे मातरम सभी भारतीयों की भावनाओं को एक सूत्र में बांधता है। उन्होंने विद्यार्थियों से भारत की विरासत और इसकी भाषाओं पर गर्व करने का आग्रह किया।

सार संक्षेप

आशा भोंसले के निधन पर लोकसभा में रखा गया मौन, सदन कार्रवाई से पहले दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। लोकसभा ने महान पार्श्व गायिका आशा भोंसले तथा सदन के तीन पूर्व सदस्यों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को सदन की कार्यवाही शुरू होती ही सदस्यों को बताया कि सदन के पूर्व सदस्य अब्बू हासिम खान चौधरी पश्चिम बंगाल के मालदा से चार बार लोकसभा सदस्य रहे। उनका निधन 85 वर्ष की आयु में आठ अप्रैल को हुआ। श्रीमती मोहसीना किदवाई का 94 वर्ष की आयु में निधन हुआ। वह केंद्रीय मंत्री भी रही। हरि नारायण राजभर सदन के सदस्य रहे हैं और उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा में अपनी सेवाएं दी। सदन ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। बिरला ने महान गायिका आशा भोंसले के निधन की सूचना भी सदन को दी और सदन में उनके निधन पर भी गहरा शोक व्यक्त किया। बिरला ने बताया कि उन्होंने विभिन्न भारतीय और विदेशी भाषाओं में गीत गए और उन्हें अत्यंत प्रसिद्ध मिली। उन्हें पद्म विभूषण और दादा साहब फाल्के जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। उनका निधन 92 वर्ष की आयु में 12 अप्रैल को मुंबई में हुआ।

चांदी के भाव में 2,058 का उछाल, हाजिर मांग बढ़ने से सोने की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के बीच सटोरियों के नए सौदे करने से वायदा कारोबार में सोने की कीमत बृहस्पतिवार को 851 रुपये चढ़कर 1,54,799 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मई में आपूर्ति वाले सोने के अनुबंध का भाव 851 रुपये या 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,54,799 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 1,064 लॉट का कारोबार हुआ। विश्लेषकों के अनुसार, बाजार प्रतिभागियों द्वारा नए सौदे किए जाने से सोने की कीमतों में यह तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोने की वायदा कीमत 0.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,828.17 डॉलर प्रति औंस रही। अमेरिकी व्यापार नीति को लेकर नई अनिश्चितता के बीच वायदा कारोबार में चांदी की कीमत बृहस्पतिवार को 0.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,53,800 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मई में आपूर्ति वाली चांदी की कीमत 2,058 रुपये या 0.82 प्रतिशत चढ़कर 2,53,800 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसमें 2,095 लॉट का कारोबार हुआ।

मुख्यमंत्री ने किया गोरखनाथ मंदिर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बने दो आधुनिक सुरक्षा भवनों का उद्घाटन

गोरखपुर,। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद पुलिस विभाग में समय पर भर्ती, समय पर ट्रेनिंग और अवस्थापना सुविधाओं के विकास से पुलिसकर्मियों के कार्य की गति बढ़ी है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में सुरक्षा का बेहतर माहौल बना और सुशासन का बेहतरीन मॉडल खड़ा हुआ। सीएम योगी गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर क्षेत्र की सुरक्षा के लिए बने दो आधुनिक सुरक्षा भवनों के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इन भवनों में मंदिर सुरक्षा से जुड़े अपर पुलिस अधीक्षक व पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय, कंट्रोल रूम, पुलिस स्टोर रूम और मेंटिनेंस वर्कशाप बनाई गई है। इसके निर्माण पर 9.18 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा भवनों में उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा, सुशासन की पहली शर्त होती है। हर व्यक्ति को सुरक्षा चाहिए। इसके लिए सरकार के स्तर पर प्रयास किए जाते हैं। पर, हम उसका एक ही पक्ष देख पाते थे। पुलिस का सामान्य सिपाही हो या सब इंस्पेक्टर व डिप्टी एसपी, यदि उसकी ट्रेनिंग नहीं है तो वह भी एक कॉमन मैन (सामान्य व्यक्ति) ही होगा। पहले की सरकारों में भर्ती, ट्रेनिंग और अवस्थापना सुविधाओं पर ध्यान नहीं दिया जाता था। इसका परिणाम यह होता था कि बहुत से नौजवान पुलिस भर्ती में नहीं आना चाहते थे। 9 वर्ष में 2 लाख 19 हजार से अधिक पुलिस कार्मिकों की भर्ती मुख्यमंत्री ने पुलिस महकमे में वर्ष 2017 के बाद आए बदलाव की चर्चा करते हुए कहा कि 9 साल पहले जब उनकी सरकार आई तो उस समय पुलिस बल में आधे से अधिक पद खाली थे। बीते 9 वर्ष में 2 लाख 19 हजार से अधिक पुलिस कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया को पूरा किया गया है। 2017 में पुलिस की ट्रेनिंग क्षमता एक समय में 3 हजार से अधिक नहीं थी, जबकि वर्तमान में अवस्थापना सुविधाओं के विकास का परिणाम है कि अब एक समय में 60 हजार पुलिस कार्मिकों की ट्रेनिंग करवाई जाती है। समय पर लिए गए निर्णय, और समय पर दिए गए संसाधनों के परिणामस्वरूप पुलिस को 200 गुना अधिक सुविधाओं से सम्पन्न किया गया है। पहले नहीं थी पुलिसकर्मियों के लिए अच्छी आवासीय सुविधा सीएम योगी ने कहा कि पहले थाना हो, चौकी हो, पुलिस लाइन हो या पीएसी वाहिनी, कहीं भी पुलिसकर्मियों के लिए अच्छी आवासीय सुविधा और अच्छे बैरक नहीं थे। पुलिसकर्मी किराए पर रहकर जैसे-तैसे जीवन व्यतीत करता था।

मोदी सरकार ने परिसीमन को राजनीतिक हथियार बनाया, विधेयक महिला और संविधान विरोधी: गौरव गोगोई

नई दिल्ली। लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को महिलाओं, जाति जनगणना, संविधान और संघीय ढांचे के खिलाफ बताया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार परिसीमन को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने महिला आरक्षण अधिनियम से संबंधित संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026, परिसीमन विधेयक, 2026 और संघ राज्य विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा की शुरूआत करते हुए यह भी कहा कि सरकार को लोकसभा के वर्तमान संख्याबल 543 के आधार पर 2029 से ही महिला आरक्षण लागू करना चाहिए। गोगोई ने कहा कि सोनिया गांधी ने पिछली लोकसभा में नारी शक्ति वंदन विधेयक पर चर्चा के दौरान यही कहा था कि महिला आरक्षण लागू हो, लेकिन इसे परिसीमन के साथ मत जोड़िए, लेकिन सरकार ने उस वक्त विपक्ष को नहीं सुना। उन्होंने कहा कि तीन साल में ऐसा क्या बदलाव हुआ कि सरकार का रुख बदल गया। गोगोई ने कहा, गृह मंत्री ने 2023 में आश्वासन दिया था कि जनगणना होगी, परिसीमन होगा, महिला आरक्षण लागू होगा। अब कह रहे हैं कि जनगणना और परिसीमन होगा। उन्होंने दावा किया कि लगता है कि सरकार महिला आरक्षण लागू करने में विलंब करना चाहती है। कांग्रेस सांसद ने कहा, हम आज भी कह रहे हैं कि महिला आरक्षण को परिसीमन के साथ मत जोड़िए। 543 सीटों पर ही 2029 में लागू करिए। उन्होंने कहा कि यह महिला आरक्षण विधेयक नहीं है, यह पर्दे के पीछे परिसीमन कराने की राजनीतिक मंशा है। गोगोई का कहना था, अगर सरकार महिला आरक्षण के पक्ष में होती तो इसे तत्काल लागू करती।

दिल्ली हवाई अड्डे पर पार्किंग एरिया में दो विमान आपस में टकराए, बड़ा हादसा टला, सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आज यानी गुरुवार को एक बड़ा विमान हादसा टल गया, जब ग्राउंड पर टैक्सी करते समय स्पाइसजेट का एक विमान अकासा एयर के विमान से टकरा गया। यह घटना एयरपोर्ट के पार्किंग एरिया में हुई, जहां अकासा एयर का विमान पहले से खड़ा था। टक्कर के कारण दोनों विमानों को नुकसान पहुंचा, लेकिन राहत की बात यह रही कि सभी यात्री और क्रू सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। जानकारी के अनुसार स्पाइसजेट का बी737-700 विमान टैक्सी करते हुए आगे बढ़ रहा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह अकासा एयर के खड़े विमान से जा टकराया। इस टक्कर में स्पाइसजेट के विमान का राइट विंग क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना के बाद तुरंत ग्राउंड स्टाफ और सुरक्षा टीम मौके पर पहुंच गई। अकासा एयर की ओर से जारी बयान में कहा गया कि उनकी फ्लाइट क्यूपी 1406 दिल्ली से हैदराबाद के लिए तैयार थी और पार्किंग एरिया में खड़ी थी। इसी दौरान स्पाइसजेट का विमान उससे टकरा गया, जिससे अकासा विमान के लेफ्ट हैंड हॉरिजॉन्टल स्टेबलाइजर को नुकसान पहुंचा। घटना के बाद फ्लाइट को तुरंत रोक दिया गया। हादसे के तुरंत बाद दोनों विमानों में मौजूद यात्रियों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी और एयरलाइंस के कर्मचारियों ने मिलकर स्थिति को संभाला और किसी भी तरह की अफरा-तफरी नहीं होने दी। यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक कदम उठाए गए। इस घटना के बाद स्पाइसजेट के विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर ही ग्राउंड कर दिया गया है।

महिला आरक्षण बिल : सदन में भिड़े अमित शाह और अखिलेश यादव, ओम बिरला को करना पड़ा हस्तक्षेप

नई दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच तीखी बहस देखने को मिली। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर अखिलेश यादव ने सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए तो गृह मंत्री अमित शाह ने पलटवार किया। इसी बीच लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को हस्तक्षेप करना पड़ा। अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र सरकार महिला आरक्षण के लिए इतनी जल्दबाजी क्यों कर रही है? पहले जनगणना से शुरूआत करें। साथ ही उन्होंने दोहराया कि उनकी पार्टी सैद्धांतिक रूप से महिला आरक्षण का समर्थन करती है, लेकिन परिसीमन के जरिए इसे लागू करने का विरोध करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर जनगणना में देरी कर रही है, ताकि जातिगत जनगणना और आरक्षण के विस्तार की मांगों को उठने से रोका जा सके। अखिलेश यादव ने कहा कि वे जनगणना में इसलिए देरी कर रहे हैं, क्योंकि जब यह होगी, तो हम जाति-आधारित जनगणना की मांग करेंगे और वे ऐसा नहीं चाहते। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अखिलेश यादव के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जनगणना का काम पहले ही शुरू हो चुका है और उन्होंने सदन को आश्वासन दिया कि जाति आधारित जनगणना भी कराई जाएगी। गृह मंत्री ने कहा कि अभी हाउस लिस्टिंग (घरों की गिनती) चल रही है घर किसी खास जाति के नहीं होते। अगर समाजवादी पार्टी की चली, तो वह घरों को भी कोई जाति दे देगी। मैं सदन को आश्वासन देना चाहता हूं कि जनगणना होगी और उसके साथ जातिगत जनगणना भी होगी। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि पार्टी महिला आरक्षण बिल का तब तक समर्थन नहीं करेगी, जब तक इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग और मुस्लिम महिलाओं के लिए प्रावधान शामिल नहीं किए जाते। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि संविधान के तहत धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर मुसलमानों के लिए किसी भी तरह का आरक्षण असंवैधानिक है।

कांग्रेस ने की सरकार के तीनों विधेयक खारिज करने की मांग, जयराम रमेश बोले, नुकसानदेह हैं ये प्रस्ताव

नई दिल्ली। कांग्रेस ने वीरवार को आरोप लगाया कि महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों का असली उद्देश्य और विषय-वस्तु छल-कपट से भरी है और इनका प्रभाव बेहद व्यापक और नुकसानदेह है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि इन्हें उनके वर्तमान स्वरूप में पूरी तरह खारिज किया जाना चाहिए। सरकार संविधान (एक सौ इकतीसवां संशोधन) विधेयक, 2026 को एक बड़े सुधार के रूप में ला रही है। इसके साथ ही सरकार परिसीमन आयोग के गठन के लिए एक विधेयक तथा केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन विधेयक), 2026 भी पेश करेगी। इन तीनों विधेयकों को लोकसभा की आज की कार्यवाही में सूचीबद्ध किया गया है। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए जा रहे हैं। ऊपर से इन्हें महिला आरक्षण के रूप में प्रस्तुत और प्रचारित किया जा रहा है, लेकिन इनके मूल में परिसीमन का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि परिसीमन के प्रस्तावों को लेकर देशभर से कई गंभीर चिंताएं सामने आई हैं जो उन अधिक जनसंख्या वाले राज्यों को लाभ पहुंचाती हैं, जहां फिलहाल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मजबूत है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने दावा किया, इससे लोकसभा में कई राज्यों की लोकसभा सीट की संख्या के संदर्भ में सापेक्ष राजनीतिक शक्ति वास्तव में कम हो जाएगी। असम और जम्मू-कश्मीर में जिस तरह से परिसीमन किया गया है, वह दिखाता है कि नरेन्द्र मोदी-अमित शाह की जोड़ी कितने खतरनाक तरीके से काम करती है।

घबराइए मत, बच्चे के इलाज में बाधा नहीं आने देंगे

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार बच्चों के इलाज में कोई बाधा नहीं आने देगी। योगी ने करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और कहा कि घबराइए मत, बच्चे के इलाज में कोई भी बाधा नहीं आने देंगे। जनता दर्शन में श्रावस्ती से आई एक महिला ने गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चे के इलाज में मदद का अनुरोध किया। साथ में आए बच्चे को देखकर मुख्यमंत्री भावुक हो गए। उन्होंने महिला से आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। महिला ने कहा कि उनका आयुष्मान कार्ड नहीं बना है, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि घबराइए मत, बच्चे के इलाज में कोई भी बाधा नहीं आने देंगे। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड बनवाएंगे और विवेकाधीन कोष से भी बच्चे के इलाज में आर्थिक सहायता देंगे। महिला का प्रार्थना पत्र लेकर उन्होंने मौके पर मौजूद अफसरों को इस निर्देश के साथ थमाया कि इसे श्रावस्ती के जिलाधिकारी को भेजकर आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए और साथ ही डीएम के जरिए इलाज का इस्टीमेट भी शासन को उपलब्ध कराया जाए। गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इत्मिनान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अलग- अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्धए निष्पक्ष और संतोषप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं पर तुरंत संवेदनशीलता दिखाएं। उन्होंने उनसे मिलने आए लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि घबराइए मत। सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी।

CMYK

सम्पादकीय

क्या चंबल से कुछ सीखेगी दुनिया?

चंबल में बागी आत्मसमर्पण की कहानी हमें यह सिखाती है कि संवेदनशीलता और संवाद के साथ किसी भी संघर्ष को रोका जा सकता है। आज जब दुनिया एक बार फिर संघर्षों के दौर से गुजर रही है, तब चंबल का यह अनुभव हमें यह याद दिलाता है कि शांति कोई दूर का सपना नहीं, बल्कि एक सच है—जिसे पाने के लिए हमें केवल संवाद, विश्वास और करुणा के रास्ते पर चलने का साहस करना होगा

आज जब दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और संघर्ष की आग भड़कती दिखाई दे रही है—चाहे वह देशों के बीच चल रहे सैन्य टकराव हों या समाजों के भीतर गहराते वैचारिक विभाजन—ऐसे समय में शांति की बातें अक्सर आदर्शवादी लगती हैं, लेकिन इतिहास के कुछ उदाहरण हमें यह भरोसा देते हैं कि सबसे कठिन परिस्थितियों में भी संवाद और करुणा का रास्ता संभव है। चंबल घाटी का अनुभव ऐसा ही एक जीवंत उदाहरण है, जहां कभी बीहड़ों में बंदूकें कानून तय करती थीं, और 'बागी' शब्द भय का पर्याय था, वहीं 1972 में एक ऐसा परिवर्तन हुआ जिसने हिंसा की उस भूमि को शांति के प्रयोग में बदल दिया। चंबल का नाम सुनते ही कभी धूल, घोड़ों की टाप और गोलियों की आवाजों से भरी एक दुनिया की छवि उभरती थी, जहां दशकों तक प्रतिशोध और भय का चक्र चलता रहा। लेकिन अप्रैल 1972 में जौरा (मुरैना) के गांधी सेवा आश्रम में जो हुआ, उसने इस छवि को हमेशा के लिए बदल दिया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में माधो सिंह और मोहर सिंह जैसे खूंखार बागियों ने जब अपने हथियार उनके चरणों में रखे, तो वह केवल कानून के सामने आत्मसमर्पण नहीं था, बल्कि एक विचारधारा का परिवर्तन था। गांधीवादी सिद्धांत — 'अपराध से घृणा करो, अपराधी से नहीं'— यहां व्यवहार में उतरा। यह घटना विश्व इतिहास के उन दुर्लभ क्षणों में से एक थी, जहां बिना किसी सैन्य दबाव के, केवल नैतिक प्रभाव और संवाद के माध्यम से सैकड़ों लोगों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया। इस ऐतिहासिक प्रक्रिया के पीछे केवल एक नेतृत्व नहीं था, बल्कि कई समर्पित व्यक्तित्वों का सामूहिक प्रयास था, जिन्होंने वर्षों तक विश्वास का माहौल तैयार किया। डॉ. एस.एन. सुब्बा राव ने युवाओं और समाज के बीच शांति और संवाद की संस्कृति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे बागियों के लिए आत्मसमर्पण केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक पुर्नस्थापन का मार्ग बन सका। इसी तरह राजगोपाल पी.वी. ने इस पूरे अनुभव को एक व्यापक सामाजिक दृष्टि से जोड़ा और इसे एक मॉडल के रूप में विकसित करने की दिशा में काम किया, ताकि यह प्रयोग अन्य संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में भी प्रेरणा बन सके। वहीं डॉ. रन सिंह परमार जैसे स्थानीय कार्यकर्ताओं ने जमीनी स्तर पर बागियों और समाज के बीच विश्वास कायम करने में सेतु की भूमिका निभाई, जो इस प्रक्रिया की सफलता के लिए बहुत ही जरूरी था।

आत्मसमर्पण के बाद असली परीक्षा शुरू हुई। वर्षों तक हिंसा के रास्ते पर चले लोगों को समाज में वापस स्वीकार करना आसान नहीं था। जिन परिवारों ने इन बागियों के कारण अपनों को खोया था, उनके मन में प्रतिशोध की भावना होना स्वाभाविक था। लेकिन चंबल ने यहां भी एक अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया— पीड़ितों ने बदले के बजाय क्षमा को चुना। यह केवल व्यक्तिगत उदारता नहीं थी, बल्कि एक सामाजिक परिपक्वता का संकेत था, जिसने यह दिखाया कि न्याय और करुणा एक साथ चल सकते हैं। यही वह क्षण था, जब चंबल ने दुनिया को यह सिखाया कि शांति केवल समझौते से नहीं, बल्कि मन के परिवर्तन से आती है। चंबल का यह अनुभव समय और भूगोल की सीमाओं से परे जाकर आज भी प्रासंगिक है। केरल के कन्नूर जैसे क्षेत्रों में, जहां लंबे समय तक राजनीतिक हिंसा का दौर चला, वहां भी संवाद आधारित पहल के माध्यम से हिंसा में कमी लाई गई। यह इस बात का प्रमाण है कि चंबल का मॉडल केवल एक क्षेत्रीय घटना नहीं, बल्कि एक सार्वभौमिक सिद्धांत को दर्शाता है—कि संवाद, विश्वास और मानवीय संवेदना किसी भी संघर्ष को सुलझाने की कुंजी हो सकते हैं।

सूरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। 'अभी न जाओ छोड़ कर' जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया।

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। 'अभी न जाओ छोड़ कर' जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे। 8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है।

आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। 'पिया तू अब तो आजा', 'दम मारो दम', 'चुरा लिया है तुमने', 'दिल चीज क्या है' जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है। आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है। आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था।

एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया। लता मंगेशकर जैसी विराट विभूति की छाया में रहते हुए भी अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना उनके असाधारण व्यक्तित्व का प्रमाण है। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक आलोचनाओं और पारिवारिक जटिलताओं के बीच उन्होंने कभी अपने आत्मबल को क्षीण नहीं होने दिया। उनकी जिंदादिली, बेबाकी, हाजिरजवाबी और जीवन के प्रति उत्सवधर्मी दृष्टिकोण उन्हें केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा बनाते हैं। वे हर परिस्थिति में मुस्कराते हुए आगे बढ़ने की उस दुर्लभ कला की प्रतीक थीं, जो साधारण मनुष्यों को असाधारण बना देती है। आशाजी की प्रतिभा को तीन मुख्य संगीतकारों ने निखारा एवं संवारा, जिनमें

ओ.पी.नैय्यर, रवि और आर.डी. बर्मन मुख्य है। उनका एक गीत मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास पड़ा है, बहुत ही लोकप्रिय है, इसके लिये उन्हें नेशनल अवार्ड मिला था। आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी शृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था।

उन्होंने हर शब्द में प्राण फूँककर उसे कालजयी बना दिया, जिससे संगीत केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि जीने का अनुभव बन गया। वास्तव में, आशा भोंसले वह अनंत स्वर-धारा थीं, जिन्होंने भारतीय संगीत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाकर उसे वैश्विक चेतना में प्रतिष्ठित किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना दिया। – **ललित गर्ग**

धोखा फरेब नाकामी की पटकथा रही इस्लामाबाद वार्ता

करीब डेढ़ महीने से से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई इस्लामाबाद वार्ता बेनतीजा खत्म हो गई। 21 घंटे की चर्चा के बावजूद ईरान और अमेरिका में आपसी सहमति नहीं बन पाई तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने लाव-लश्कर के साथ अमेरिका वापस लौट गए और जाते-जाते कह गए कि यह ईरान के लिए बुरी खबर है कि कोई समझौता नहीं हुआ। लेकिन जो ईरान 28 फरवरी को अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई की शहादत से लेकर मिनाब में डेढ़ सौ बच्चियों की जान जाने तक कई बुरी खबरों को झेलकर भी अपनी शर्तों पर टिका हुआ है, उसे अमेरिका भला एक वार्ता के विफल होने से क्या हिला पाएगा। असल में तो इस्लामाबाद वार्ता की असफलता अमेरिका के लिए बुरी खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य की चाबी अब भी ईरान के हाथ में ही है और इससे भी बढ़कर उसके पास सिर न झुकाने का जो जज्बा है, वो अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं है। ट्रंप नेतन्याहू की मर्जी से युद्ध छेड़ते हैं और समझौता भी नहीं कर पाते, क्योंकि नेतन्याहू ऐसा नहीं चाहते। आपको बता दें बीते दिनों न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें बताया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू 11 फरवरी को अमेरिका में थे, जहां उन्होंने ट्रंप के सामने एक पूरी रणनीति बताई थी कि ईरान पर हमला करना चाहिए, क्योंकि वह अभी कमजोर है। इससे ईरान में सत्ता बदली जा सकती है और उसके संसाधनों पर कब्जा भी किया जा सकता है। नेतन्याहू ऐसे ही प्रस्ताव पहले बराक ओबामा, जो बाइडेन और जार्ज बुश को भी दे चुके थे, लेकिन इन तीनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया। यह खुलासा पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने हाल ही में किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप नेतन्याहू की बात मानने को मजबूर हो गए। क्या इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे हैं, इस सवाल का जवाब अभी मिलना बाकी है। बहरहाल, यह वार्ता बेनतीजा रही, क्योंकि एक तरफ इजरायल लेबनान पर अपने हमले नहीं रोक रहा था, जबकि ईरान की 10 शर्तों में यह एक अहम शर्त थी कि लेबनान पर हमले रुकने चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपने रुख में इंच भर का बदलाव नहीं दिखाया। अमेरिका-ईरान वार्ता बिना नतीजे के खत्म हो गई. लेकिन बातचीत के नाम पर असली फायदा डोनाल्ड ट्रंप ने उठाया है. अमेरिका ने होर्मुज में माइंस हटाने वाले जहाज भेज दिए हैं. वहीं पाकिस्तान ने भी सऊदी अरब में जेट भेजे हैं. इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या बातचीत के नाम पर ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई गई. कहीं बातचीत में उलझाकर उसे फिर से धोखा तो नहीं दिया गया। क्योंकि बातचीत के बीच ही अमेरिका ने माइंस हटाने के लिए अपने दो सैन्य जहाजों को होर्मुज के पार ईरान के पास भेज दिया है. करीब 21 घंटे तक चली मैराथन बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को खाली हाथ लौटना पड़ा. वेंस ने साफ कहा कि अमेरिका ने अपनी 'रेड लाइन' बता दी थी, लेकिन ईरान ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया. दूसरी तरफ ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने जरूरत से ज्यादा शर्तें थोप दीं और बातचीत को संतुलित नहीं रखा.

यहां यह भी गौरतलब है कि दोनों पक्षों के बीच 5 अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना और ईरान के खिलाफ तथा पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। लेकिन इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। अमेरिका न ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हुआ, न उसने होर्मुज पर अपना रुख साफ किया। दरअसल पिछले दस दिनों में ही ट्रम्प दो बिल्कुल अलग-अलग बातें कह चुके हैं। पहले उन्होंने कहा था कि होर्मज में अमेरिका की कोई खास दिलचस्पी नहीं है, अमेरिका को वहां से गुजरने वाले तेल की जरूरत नहीं है। फिर कुछ ही दिनों बाद उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की मांगों का सबसे जरूरी हिस्सा है, और अगर इसे खुला नहीं रखा गया तो कोई बातचीत नहीं हो सकती। वैसे यह तय है कि होर्मुज बनारसमध्य पर अमेरिका अपना कब्जा चाहता है, क्योंकि ईरान ते इस पर न केवल नाकेबंदी की है, बल्कि अब शुल्क चिनेको एरुआत भी कर दी है और ट्रंप इससे बुरी तरह गए हैं। ईरानी संसद से मंजूरी मिलने के बाद अब नामिरिखोलूश्यनरी गाईस कॉर्पस को होर्मुज से गुजरने पाहा से शुल्क वसूलने का अधिकार मिल गया है। एक बेरल तेल पर एक डॉलर ईरान वसूलेगा, साथ ही क्रिप्टो करेंसी में भुगतान की व्यवस्था भी होगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का कोई असर न पड़े। ईरान की इस रणनीति से उसे आर्थिक मजबूती मिलेगी, अमेरिका को इस बात का अहसास हो चुका है। इसलिए अब उसने फिर से अपने पत्ते फेंटने शुरु किए हैं, ताकि युद्ध को जायज ठहरा सके। हालांकि इस युद्ध ने एक तरफ ईरान और खाड़ी देशों समेत पूरी दुनिया में घोर तबाही मचाई है, वहीं एक नयी वैश्विक व्यवस्था भी तैयार की है, जिसमें ईरान निस्संदेह एक आदर्श की तरह उभरा है। ईरान ने संदेश दे दिया है कि महाशक्ति की अवधारणा और उसके हौव्वे को आत्मबल से कैसे तोड़ा जा सकता है। अब अन्य देशों को भी यह प्रेरणा मिली है कि वे अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार करने की हिम्मत दिखाएं। पाकिस्तान ने सऊदी अरब में अपने फाइटर जेट तैनात कर दिए. यह तैनाती दोनों देशों के रक्षा समझौते के तहत की गई, लेकिन इसे ईरान के लिए एक सख्त संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है. यह अमेरिका की दोहरी रणनीति थी ताकि एक तरफ बातचीत के जरिए समाधान का दिखावा किया जाए, दूसरी तरफ सैन्य दबाव बनाकर अपनी शर्तें मनवाई घटनाक्रम की तुलना 28 फरवरी की उस घटना से भी की जा रही है, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया था. यह हमला ऐसे समय में किया गया था जब दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही थी. जब किसी को हमले की उम्मीद नहीं थी तब ईरान पर अटैक हुआ, जिसमें सुप्रीम लीडर अली खामेनेई मारे गए. इस बात का खतरा पहले से था कि कहीं अमेरिका बातचीत के बीच धोखा न दे दे वही हुआ अब ईरान को और मजबूती से खड़े होने की जरूरत होगी। – **मनोज कुमार अग्रवाल**

नारी शक्ति वंदन शंका व संग्राम

केन्द्र सरकार इसे ऐतिहासिक निर्णय की दिशा में निर्णायक कदम बता रही है,वही कांग्रेस व विपक्षी राजनीतिक दल इसे समय-प्रबंधन और राजनीतिक लाभ के नजरिये से देख रहा है।परिणाम स्वरूप यहीं से सत्ता और विपक्ष के बीच वह टकराव स्पष्ट रूप से उभरता है,जो भारतीय लोकतंत्र की पहचान भी और उसकी शक्ति भी है।भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इस पूरे विमर्श को महिला सशक्तिकरण की दीर्घकालिक नीति का स्वाभाविक विस्तार मानते हैं।

विश्व का सबसे बड़े लोकतंत्र भारत वर्तमान परिपेक्ष में एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रहा है,जहाँ सामाजिक परिवर्तन और राजनीतिक रणनीति एक-दूसरे में गुंथकर नई दिशा तय कर रहे हैं। 'नारी शक्ति वंदन' का उभरता विमर्श,संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र और इसके इर्द-गिर्द तेज होती राजनीतिक हलचल इस बात का संकेत है कि देश की आधी आबादी अब केवल चर्चा का विषय नहीं,बल्कि सत्ता-समीकरण का केंद्र बन चुकी है।यह वह काल है, जहाँ नारी शक्ति का प्रश्न भावनात्मक अपील से आगे बढ़कर ठोस राजनीतिक और संवैधानिक निर्णयों की कसौटी पर खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक विज्ञान भवन में दिए गए वक्तव्यों ने इस बहस को नई गति दी है। केन्द्र सरकार इसे ऐतिहासिक निर्णय की दिशा में निर्णायक कदम बता रही है,वही कांग्रेस व विपक्षी राजनीतिक दल इसे समय-प्रबंधन और राजनीतिक लाभ के नजरिये से देख रहा है।परिणाम स्वरूप यहीं से सत्ता और विपक्ष के बीच वह टकराव स्पष्ट रूप से उभरता है,जो भारतीय लोकतंत्र की पहचान भी और उसकी शक्ति भी है।भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इस पूरे विमर्श को महिला सशक्तिकरण की दीर्घकालिक नीति का स्वाभाविक विस्तार मानते हैं।उनका तर्क है कि पिछले वर्षों में महिलाओं को आर्थिक,सामाजिक और स्वास्थ्य के स्तर पर मजबूत करने के लिए जो योजनाएं लागू की गईं,वे अब

राजनीतिक प्रतिनिधित्व के रूप में परिणत होने जा रही हैं।जनधन योजना के माध्यम से बैंकिंग पहुँच, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन,स्वयं सहायता समूहों के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण और 'लखपति दीदी' जैसी पहलों को इस परिवर्तन की पृष्ठभूमि के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।उनका यह तर्क दिया जा रहा है कि जब आधार तैयार हो चुका है,तब राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाना स्वाभाविक अगला कदम है।वही इसके विपरीत कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस पूरी प्रक्रिया को अधूरा और प्रश्नों से घिरा हुआ मानते हैं।उनका कहना है कि यदि महिलाओं को वास्तविक सशक्तिकरण देना है,तो आरक्षण के भीतर भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए,ताकि पिछड़े वर्गों,दलितों और आदिवासी समुदायों की महिलाओं को भी समान अवसर मिल सके।इसके साथ ही वे इस बात पर भी सवाल उठाते हैं कि क्रियान्वयन को भविष्य की समयसीमा से क्यों जोड़ा गया है।विपक्ष के अनुसार,यह देरी कहीं न कहीं इस मुद्दे को चुनावी लाभ के लिए उपयोग करने की रणनीति को दर्शाती है।यह टकराव केवल विधायी प्रक्रिया का नहीं,बल्कि राजनीतिक नैरेटिव का संघर्ष बन चुका है।एक ओर सत्ता पक्ष इसे उपलब्धियों की श्रृंखला के रूप में प्रस्तुत कर रहा है,तो दूसरी ओर विपक्ष इसे अधूरी प्रतिबद्धता और राजनीतिक गणित का परिणाम बताने में लगा है।इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों पक्ष 'नारी शक्ति' को अपने-अपने तरीके से केंद्र में रख रहे हैं,जो इस बात का प्रमाण है कि महिलाओं का मुद्दा अब भारतीय राजनीति में निर्णायक बन चुका है।अगर हम इस पहलू के संभावित लाभों की चर्चा करें तो यह स्पष्ट है कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से लोकतंत्र अधिक संतुलित और समावेशी बन सकता है।पंचायत स्तर पर महिलाओं की सक्रिय भूमिका पहले ही यह साबित कर चुकी है कि जब उन्हें अवसर मिलता है,तो वे विकास की प्राथमिकताओं को नई दिशा देती हैं।जल,स्वास्थ्य,शिक्षा और पोषण जैसे विषयों पर उनका दृष्टिकोण अधिक संवेदनशील और व्यावहारिक होता है।यदि यही अनुभव संसद और विधानसभाओं तक पहुंचता है,तो नीतियों में व्यापक बदलाव संभव है। इसके साथ ही चुनावी राजनीति में महिलाओं की भूमिका भी तेजी से बदल रही है।वे अब केवल मतदाता नहीं,बल्कि निर्णायक मतदाता के रूप में उभर रही हैं।पिछले कुछ चुनावों में यह देखा गया है कि महिला मतदाताओं की भागीदारी और उनके मतदान के पैटर्न ने कई राज्यों में परिणामों को प्रभावित किया है।यही कारण है कि सभी राजनीतिक दल अब इस वर्ग को अपने पक्ष में करने के लिए विशेष रणनीतियां बना रहे हैं।

हालांकि,इस पूरी प्रक्रिया के सामने कई चुनौतियां भी हैं।सबसे बड़ी चुनौती है क्रियान्वयन की विश्वसनीयता।यदि यह पहल केवल घोषणा तक सीमित रह जाती है या इसमें अनावश्यक देरी होती है,तो इसका प्रभाव कमजोर पड़ सकता है।इसके अलावा,यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि महिलाओं को केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व न मिले,बल्कि वे वास्तविक निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनें। पंचायत स्तर पर कई जगहों पर देखी गई 'प्रॉक्सी राजनीति' की प्रवृत्ति को भी गंभीरता से रोकना होगा,अन्यथा इस पहल का मूल उद्देश्य प्रभावित हो सकता है।

आने वाले विधानसभा चुनाव इस पूरे विमर्श की वास्तविक परीक्षा साबित होंगे।भाजपा और एनडीए इस मुद्दे को अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत करते हुए महिला मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास करेंगे।वहीं कांग्रेस और विपक्ष इस मुद्दे को अधूरे वादे और सामाजिक न्याय के अधूरे पहलू के रूप में उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश करेंगे।– **विनोद कुमार सिंह**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक "गिलेडविन मसीह" के लिए "बुलंद मंज़िल" हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

CMYK

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता पर अत्याचार, चाकू से हमला—मुकदमा दर्ज

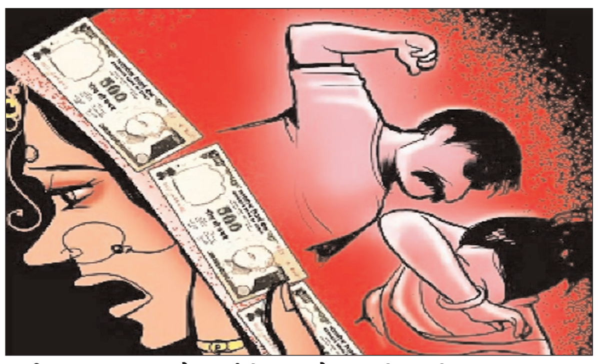

दैनिक बुलंद मंज़िल
मंडी धनौरा ब्यूरो। थाना क्षेत्र से दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा का गंभीर मामला सामने आया है, जहां एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर मारपीट, जान से मारने की धमकी और दहेज में 8 लाख रुपये की मांग करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस अधीक्षक के आदेश पर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के ग्राम नवाबपुरा भुड निवासी पिंकी का विवाह दिनांक 3 मार्च 2025 को बिजनौर जनपद के थाना चांदपुर क्षेत्र के ग्राम बमनौला निवासी जीत बहादुर सिंह पुत्र महेंद्र सिंह के साथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार संपन्न हुआ था। पीड़िता के अनुसार, उसके पिता ने विवाह में करीब 15 लाख रुपये खर्च किए और अपनी हैसियत से अधिक दहेज भी दिया, लेकिन इसके बावजूद ससुराल पक्ष संतुष्ट नहीं हुआ। आरोप है कि विवाह के बाद से ही पति जीत बहादुर, सास शकुंतला, ससुर महेंद्र सिंह, जेठ सचिन और ननद स्वाती उसे कम दहेज लाने के ताने देते हुए अतिरिक्त 8 लाख रुपये नकद की मांग करने लगे। विरोध करने पर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति के कोटद्वार स्थित कारोबार में कुछ असामाजिक तत्वों का आना-जाना रहता है, जो भी उसे डराने-धमकाने में शामिल रहे। पीड़िता के अनुसार, 3 नवंबर 2025 को ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की, जिसके बाद वह अपने मायके आ गई। इसके बाद 6 दिसंबर 2025 को आरोप है कि पति समेत ससुराल पक्ष के अन्य सदस्य उसके मायके पहुंचे और वहां भी उसके साथ मारपीट की। इस घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई थी। घटना का सबसे गंभीर पहलू 21 मार्च 2026 को सामने आया, जब पीड़िता अपने ममेरे भाई की शादी से लौटकर ससुराल पहुंची। आरोप है कि वहां पति, ससुर, जेठ और अन्य लोगों ने उस पर झूठे आरोप लगाकर फिर से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान पति ने उस पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके बाएं हाथ में गंभीर चोट आई और शरीर व चेहरे पर भी कई घाव हो गए। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उसका गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की गई। मारपीट के बाद आरोपियों ने उसे घर से बाहर निकाल दिया, जिससे उसका जीवन संकट में पड़ गया। पीड़िता का कहना है कि वह अपने भविष्य को बचाने के लिए अब तक सभी अत्याचार सहती रही, लेकिन अब उसने न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना मंडी धनौरा पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष के कई लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह मामला एक बार फिर समाज में दहेज प्रथा और महिलाओं के प्रति बढ़ते अत्याचारों पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

मारपीट व फायरिंग मामले में मुकदमा दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच

दैनिक बुलंद मंज़िल
अमरोहा। थाना अमरोहा देहात क्षेत्र के एक गांव में मामूली विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब कहासुनी के बाद दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और फायरिंग की घटना सामने आई। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम निवासी कृपाल सिंह ने थाना अमरोहा देहात में दी गई तहरीर में बताया कि 15 अप्रैल की रात करीब 8:30 बजे गांव के ही कुछ लोग खेत में गेहूं निकालने का काम कर रहे थे, जिससे उठ रही धूल आसपास के घरों में जा रही थी। इसी बात को लेकर जब उनके परिजन ने आपत्ति जताई, तो आरोप है कि विपक्षी पक्ष के लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि मोहित, राहुल, पप्पी और यश ने मिलकर लाठी-डंडों और तमंचे की बट से हमला कर दिया। इस दौरान कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित का यह भी आरोप है कि एक आरोपी ने तमंचे से जान से मारने की नीयत से फायरिंग भी की, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। शोर-शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह घायलों को बचाया। घटना में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

खाकी भी नहीं बची चोरों से, महिला आरक्षी के घर लाखों की चोरी

दैनिक बुलंद मंज़िल
अमरोहा। अमरोहा देहात थाना क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक महिला कांस्टेबल के किराये के मकान में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में भी हलचल तेज हो गई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महिला कांस्टेबल राधेश पत्नी अमनराज, जो महिला थाना अमरोहा में तैनात हैं, इन दिनों प्रसूति अवकाश पर चल रही हैं। वह विजय नगर कॉलोनी, मंडी समिति रोड स्थित एक मकान में किराये पर रह रही थीं। उनके पति की ड्यूटी अयोध्या में लगी होने के कारण घर पर उनकी अनुपस्थिति थी। इसी मकान की ऊपरी मंजिल पर गौरव पुत्र नरेश अपनी पत्नी मोनिका के साथ किराये पर रहता है। बताया जा रहा है कि बीते मंगलवार को पास में रहने वाली महिला आरक्षी नेहा और सनी ने राधेश और गौरव को सूचना दी कि उनके मकान में चोरी हो गई है। सूचना मिलते ही दोनों मौके पर पहुंचे तो देखा कि घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ था और अलमारियों के ताले टूटे हुए थे। चोर घर में रखी पूरी ज्वैलरी और कीमती सामान लेकर फरार हो चुके थे। घटना के बाद पीड़िता ने तुरंत थाना अमरोहा देहात पहुंचकर तहरीर दी। उन्होंने बताया कि चोरी हुए सामान की विस्तृत सूची अलग से जांच अधिकारी को सौंपी जाएगी। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार चोरी में लाखों रुपये के जेवरात और अन्य कीमती सामान शामिल है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की गई है। साथ ही पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में भी जुटी है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पहले भी चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। उन्होंने पुलिस से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले को गंभीरता से लिया गया है और जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस पेंशनर्स की आवाज बनी पुलिस लाइन— समस्याओं पर सख्त रुख, साइबर अपराध पर चेतावनी

पेंशनर्स की समस्याएं सुनते और समाधान का आश्वासन देते क्षेत्राधिकारी अवधभान सिंह

दैनिक बुलंद मंज़िल /जितेंद्र यादव
अमरोहा। गुरुवार को पुलिस लाइन मण्डी, जनपद अमरोहा में क्षेत्राधिकारी लाइन अवधभान सिंह की अध्यक्षता में पुलिस पेंशनर्स की एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को तत्काल एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। गोष्ठी में बड़ी संख्या में पुलिस पेंशनर्स मौजूद रहे, जिन्होंने अपनी व्यक्तिगत व सामूहिक समस्याओं को खुलकर रखा। क्षेत्राधिकारी अवधभान सिंह ने सभी शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए आश्वासन दिया कि किसी भी पेंशनर को अनदेखा नहीं किया जाएगा और प्रत्येक समस्या का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाएगा। इस अवसर पर वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। पेंशनर्स को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, लिंक व ओटीपी फ्रॉड जैसे मामलों से सतर्क रहने की सलाह दी गई। साथ ही उन्हें जागरूक करते हुए बताया गया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना संबंधित थाने या साइबर सेल को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। क्षेत्राधिकारी लाइन ने कहा कि पुलिस पेंशनर्स विभाग की अमूल्य धरोहर हैं, जिनके अनुभव और सेवाएं हमेशा प्रेरणादायक रही हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पेंशनर्स की समस्याओं का समाधान पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है और इसके लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। गोष्ठी सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। अंत में उपस्थित पेंशनर्स ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की बैठकों से न केवल समस्याओं का समाधान होता है, बल्कि विभाग के साथ जुड़ाव भी मजबूत होता है।

टूटते रिश्तों में पुलिस बनी सहारा, ऑपरेशन किरण से पांच घरों में लौटी खुशियां

दैनिक बुलंद मंज़िल/जितेंद्र यादव
अमरोहा। जनपद में पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन किरण अभियान के तहत एक सराहनीय पहल सामने आई है, जहां पुलिस ने केवल कानून व्यवस्था ही नहीं बल्कि टूटते रिश्तों को भी संभालने का काम किया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान के अंतर्गत कुल 05 परिवारों को बिखरने से बचाकर एक नई शुरूआत दी गई। अभियान के तहत थाना हसनपुर, महिला थाना अमरोहा, महिला थाना गजरौला और थाना गजरौला पुलिस ने पारिवारिक विवादों से जुड़े मामलों में गंभीरता दिखाते हुए काउंसलिंग की प्रक्रिया अपनाई। प्रत्येक मामले में दोनों पक्षों को धैर्यपूर्वक सुना गया और आपसी मतभेदों को दूर करने के लिए समझाइश दी गई। पुलिस अधिकारियों की सक्रिय भूमिका और संवेदनशील दृष्टिकोण के चलते कुल पांच जोड़ों के बीच सुलह-समझौता कराया गया। काउंसलिंग के दौरान रिश्तों में आई खटास को दूर कर, दोनों पक्षों को प्रेम, विश्वास और आपसी सम्मान के साथ जीवन को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। अंततः सभी परिवारों को खुशी-खुशी उनके घर रवाना किया गया। इस पहल ने यह साबित कर दिया कि पुलिस केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाने में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है। ह्यऑपरेशन किरणह्व जैसे अभियान समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ पारिवारिक मूल्यों को सहेजने का कार्य कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे एक मानवीय और प्रेरणादायक कदम बताया है।

किसान दिवस में गूंजी किसानों की आवाज, सीडीओ ने दिया समाधान का भरोसा

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी
अमरोहा। जनपद में किसानों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए आयोजित किसान दिवस इस बार खासा प्रभावशाली रहा। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में किसान और किसान संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, विद्युत, सिंचाई, ट्यूबवेल, बैंक, गन्ना विभाग तथा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारी मौजूद रहे। किसान दिवस का मुख्य उद्देश्य किसानों की समस्याओं को सीधे सुनना और मौके पर ही उनके समाधान के लिए दिशा-निर्देश देना रहा। किसानों ने इस दौरान चीनी मिलों द्वारा बकाया भुगतान, बैंकिंग सेवाओं में आ रही दिक्कतों, बिजली आपूर्ति की अनियमितता और सिंचाई संबंधी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। कई किसानों ने बताया कि समय पर भुगतान न मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है, जबकि बिजली और पानी की समस्या फसलों पर सीधा असर डाल रही है। सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र ने सभी विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसानों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ किसानों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने विशेष रूप से ह्यफार्मर रजिस्ट्रीह्व पर जोर देते हुए सभी किसानों से जल्द से जल्द पंजीकरण कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और उर्वरक खरीदने के लिए यह प्रक्रिया अनिवार्य होगी, इसलिए इसमें लापरवाही न बरती जाए। उप कृषि निदेशक डॉ. रामप्रवेश ने भी किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि फार्मर रजिस्ट्री अब उर्वरक केंद्रों से खरीद के लिए जरूरी कर दी गई है। इसके साथ ही अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी यह अनिवार्य होगा। किसान दिवस के दौरान अधिकारियों और किसानों के बीच खुला संवाद देखने को मिला, जिससे कई समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल हुई। कार्यक्रम के अंत में किसानों ने उम्मीद जताई कि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान होगा और उन्हें समय पर योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

कानून का शिकंजा कसा : लंबे समय से फरार आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल
नौगांवा सादात। थाना पुलिस ने वारंटी अभियुक्तों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया तथा क्षेत्राधिकारी नगर अवधमान सिंह भदौरिया के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना नौगांवा सादात पुलिस टीम ने मुकदमा संख्या 1595/25 से संबंधित वारंटी अभियुक्त तहजीव खान पुत्र अनवार निवासी ग्राम बौरा बौरी को गिरफ्तार किया। अभियुक्त के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं 147, 323, 504, 506, 324, 149 एवं 341 के तहत मामला दर्ज है। काफी समय से फरार चल रहे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत थी। पुलिस ने अभियुक्त को विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए ए.सी.जे.एम. प्रथम न्यायालय अमरोहा के समक्ष पेश किया, जहां आगे की कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए इस प्रकार के अभियान लगातार जारी रहेंगे। इस गिरफ्तारी में प्रभारी निरीक्षक बालेन्द्र कुमार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक जयवीर सिंह, हेड कांस्टेबल लोकेन्द्र बालियान तथा कांस्टेबल राशिद की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम की इस कार्रवाई को विभागीय स्तर पर सराहनीय माना जा रहा है।

अमरोहा बनेगा पर्यटन हब : मंदिरों-विहारों के विकास को 3.37 करोड़ की बड़ी सौगात

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी
अमरोहा। जनपद के पर्यटन विकास को नई रफ्तार देने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत राज्य योजना में अमरोहा की पांच प्रमुख पर्यटन परियोजनाओं के लिए कुल 460.26 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति के सापेक्ष 337 लाख रुपये की धनराशि जारी कर दी गई है। इस निर्णय से जिले में धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का कायाकल्प होने की उम्मीद है। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह धनराशि जिले के प्रमुख आस्था स्थलों के विकास पर खर्च की जाएगी, जिससे स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। स्वीकृत परियोजनाओं में नौगांवा सादात क्षेत्र स्थित बाबा लालचंद मंदिर जकड़ी के लिए 50 लाख रुपये, धनौरा के प्राचीन शिव मंदिर धुने वाले बाबा स्थल के लिए 69 लाख रुपये तथा हसनपुर के प्रज्ञा बुद्ध विहार के लिए 50 लाख रुपये शामिल हैं। इसके अलावा अमरोहा विकास खंड जोया के ग्राम डिडौली स्थित शिव मंदिर के लिए 63 लाख रुपये और हसनपुर क्षेत्र के चामुंडा देवी मंदिर में बहुउद्देशीय हाल एवं प्रकाश व्यवस्था के लिए सबसे अधिक 150 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) को सौंपी गई है। मंत्री ने कार्यदायी संस्था को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं, ताकि आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके। स्थानीय लोगों का मानना है कि इन योजनाओं के पूरा होने से अमरोहा जिले की पहचान एक उभरते पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित होगी। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने से न केवल श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। सरकार की इस पहल को अमरोहा के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो जिले को पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाने में सहायक साबित हो सकता है।

अब लापरवाही नहीं चलेगी अमरोहा में अग्निकांड रोकने को प्रशासन सख्त

दैनिक बुलंद मंज़िल /असलम सैफी जिला प्रभारी

निधि गुप्ता वत्स जिलाधिकारी अमरोहा

अमरोहा। जनपद में बढ़ती गर्मी और शुष्क मौसम के बीच आग लगने की घटनाओं की आशंका को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बड़ा कदम उठाया है। प्रशासन ने जनहित में विस्तृत एडवाइजरी जारी करते हुए साफ चेतावनी दी है कि जरा सी लापरवाही बड़े हादसे में बदल सकती है। खासकर इन दिनों बिजली का बढ़ता लोड, गैस सिलेंडर का इस्तेमाल, बाजारों की भीड़ और खेतों में पराली जलाने जैसी गतिविधियां खतरे को कई गुना बढ़ा रही हैं। जारी दिशा-निर्देशों में बताया गया है कि अधिकांश अग्निकांड विद्युत शॉर्ट सर्किट, ओवरलोडिंग, गैस रिसाव और ज्वलनशील पदार्थों के असुरक्षित भंडारण के कारण होते हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि घरों में वायरिंग की नियमित जांच कराएं, एक ही सॉकेट में कई उपकरण न लगाएं और गैस सिलेंडर व पाइप की समय-समय पर जांच जरूर करें। रसोई में बालू, पानी या अग्निशमन यंत्र रखना अब जरूरी बताया गया है। बाजारों और दुकानदारों के लिए भी सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। हर प्रतिष्ठान में अग्निशमन यंत्र रखना अनिवार्य किया गया है और उसकी वैधता की जांच भी नियमित रूप से करने को कहा गया है। प्रशासन ने चेताया है कि दुकानों के बाहर अतिक्रमण न करें, ताकि आपातकालीन स्थिति में फायर ब्रिगेड को पहुंचने में कोई बाधा न हो। भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। विद्यालयों, कार्यालयों और संस्थानों को मॉक ड्रिल आयोजित करने, फायर अलार्म और आपातकालीन निकासी व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को पराली न जलाने, खेतों के पास पानी की व्यवस्था रखने और मशीनों में फायर एक्सटिंग्विशर रखने की सलाह दी गई है। औद्योगिक इकाइयों को भी कड़े निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी फायर सेफ्टी मानकों का पालन करें और कर्मचारियों को अग्निशमन का प्रशिक्षण दें। ज्वलनशील रसायनों के सुरक्षित भंडारण और स्प्रिंकलर सिस्टम को सक्रिय रखने पर जोर दिया गया है। आग लगने की स्थिति में तुरंत फायर ब्रिगेड (101), पुलिस (112) और एम्बुलेंस (108) को सूचना देने की अपील की गई है। लोगों से कहा गया है कि घबराएं नहीं, लिफ्ट का इस्तेमाल न करें और सुरक्षित स्थान की ओर तेजी से निकलें। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा है कि सतर्कता और जागरूकता ही बड़े हादसों को रोक सकती है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि नियमों की अनदेखी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी।

झोलाछाप का कहर ऑपरेशन के बाद बिगड़ी महिला, परिजनों का फूटा गुस्सा

दैनिक बुलंद मंज़िल/सर्वेश यादव

अमरोहा। जनपद के सैद नगली क्षेत्र में एक गर्भवती महिला की हालत बिगड़ने का मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। परिजनों ने हीरो मोटरसाइकिल एजेंसी के पास स्थित एक निजी अस्पताल के संचालक पर गंभीर लापरवाही और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के आरोप लगाए हैं। घटना के बाद इलाके में झोलाछाप डॉक्टरों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। परिजनों के अनुसार, महिला की डिलीवरी के लिए उक्त निजी अस्पताल में ऑपरेशन कराया गया था। शुरूआत में सब कुछ सामान्य बताया गया, लेकिन कुछ ही दिनों बाद महिला के टांकों में संक्रमण हो गया और उसकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। हालात गंभीर होते देख परिजन उसे तत्काल दूसरे अस्पताल ले गए, जहां फिलहाल उसका इलाज जारी है और स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। परिवार का आरोप है कि उन्होंने पहले ही डॉक्टर को साफ शब्दों में कहा था कि यदि वह ऑपरेशन करने में पूरी तरह सक्षम हैं तभी प्रक्रिया की जाए। इसके बावजूद ऑपरेशन किया गया, जो अब महिला की बिगड़ती हालत का कारण बन गया। परिजनों का यह भी कहना है कि जब उन्होंने डॉक्टर से जवाब-तलब किया, तो उन्होंने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया और उनके साथ अभद्रता की। स्थानीय लोगों ने भी अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह अस्पताल बिना स्पष्ट बोर्ड और वैध पंजीकरण के संचालित हो रहा है। क्षेत्र में पहले भी इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं, जहां झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा इलाज के नाम पर मरीजों की जान जोखिम में डाली गई। फिलहाल पीड़ित महिला जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है। परिजनों ने साफ किया है कि जैसे ही महिला की हालत स्थिर होगी, वे संबंधित डॉक्टर के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी तत्परता से लेते हैं। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो ऐसे लापरवाह इलाज और अवैध अस्पतालों का जाल आम लोगों की जान पर भारी पड़ सकता है।

हसनपुर में सपा की चौपाल : नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने महंगाई-बेरोजगारी पर साधा निशाना, 2027 में सरकार बनाने का दावा

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने बुधवार देर शाम हसनपुर में आयोजित ह्चौपालह्ल कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्र और प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि आम जनता और युवा वर्ग आज गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। यह कार्यक्रम सपा नेता एवं सभासद बदर कुरैशी के आवास पर आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सिद्दीकी ने कहा कि वह पूरे प्रदेश में भ्रमण कर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) गठबंधन को मजबूत करने के मिशन पर जुटे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अभी से 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों में लग जाएं। अपने संबोधन में उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनाव में समाजवादी पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी और अखिलेश यादव प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि जनता का झुकाव तेजी से सपा की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि लोग वर्तमान सरकार की नीतियों से निराश हैं। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने भी सपा की नीतियों में विश्वास जताते हुए पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों का प्रचार करने पर जोर दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक हाजी शब्बन, जिलाध्यक्ष मस्तराम यादव, जिला महासचिव चंद्रपाल सैनी सहित बदर कुरैशी, आरिफ अख्तर, यूसुफ कुरैशी, जावेद जरताब, रवि शंकर शर्मा, साजिद खान, डॉ. रईस कुरैशी और अरशद चौधरी समेत कई सपा नेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सिद्दीकी ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी की जीत सुनिश्चित करने की अपील की।

पुलिस कार्यालय में गूंजी जनता की आवाज, एसपी ने दिए तुरंत कार्रवाई के आदेश

दैनिक बुलंद मंज़िल/असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए शिकायतकर्ताओं ने भूमि विवाद, पारिवारिक कलह, धोखाधड़ी व अन्य आपराधिक मामलों से जुड़ी समस्याएं एसपी के समक्ष रखीं। एसपी ने प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुनते हुए स्पष्ट किया कि आम जनता को न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने संबंधित थाना प्रभारियों व अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों को लंबित न रखा जाए और निष्पक्ष जांच करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनसुनवाई के दौरान कई मामलों में मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए गए, जिससे फरियादियों को राहत मिली। एसपी ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि शिकायतकर्ता को कार्रवाई की जानकारी समय-समय पर दी जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और जनता का विश्वास पुलिस पर मजबूत हो। इस दौरान पुलिस कार्यालय में व्यवस्था बनाए रखने और शिकायतों के सुव्यवस्थित पंजीकरण की भी समीक्षा की गई। एसपी की इस पहल से आमजन में भरोसा बढ़ा है और लोगों को उम्मीद जगी है कि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान होगा।

संज्ञेय मुकदमे की साजिश रचने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली हसनपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चल रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के निकट पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक थाना हसनपुर राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने संज्ञेय मुकदमे की परिकल्पना करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में नरेश निवासी ग्राम दीपपुर, काविन्द्र निवासी ग्राम ताहरपुर तथा जयप्रकाश पुत्र शिवलाल निवासी मोहल्ला मनापुर, कस्बा एवं थाना हसनपुर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, उक्त आरोपी संज्ञेय अपराध की योजना बनाने में संलिप्त पाए गए, जिसके आधार पर उनके विरुद्ध धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अंतर्गत कार्रवाई की गई। गिरफ्तारी के बाद तीनों आरोपियों को विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय उपजिलाधिकारी हसनपुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस अधीक्षक ने टीम के कार्य की सराहना करते हुए स्पष्ट किया कि जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

कलेक्टरेट में गरजी डीएम—100% वसूली नहीं तो होगी कार्रवाई

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद में राजस्व वसूली की रफ्तार को तेज करने के लिए जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सख्त तेवर दिखाते हुए अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि अब लक्ष्य केवल कागजों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जमीनी स्तर पर शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करनी होगी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक में उन्होंने विभागवार प्रगति की गहन समीक्षा की और धीमी वसूली पर नाराजगी भी जताई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने भू-राजस्व, परिवहन, स्टांप एवं निबंधन, आबकारी, खनिज, नगर निकाय, गन्ना, वाणिज्य कर, मंडी समिति, सिंचाई, बाट-माप, बैंकिंग और विद्युत विभाग समेत सभी प्रमुख राजस्व स्रोतों की स्थिति का जायजा लिया।

कलेक्टरेट में आयोजित बैठक में राजस्व वसूली तेज करने को लेकर दिशा-निर्देश देतीं जिलाधिकारी

उन्होंने निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रत्येक विभाग अभी से ठोस कार्ययोजना तैयार करे और समयबद्ध तरीके से परिणाम सामने लाए। डीएम ने उप जिलाधिकारियों (एसडीएम) को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि आरसी (राजस्व वसूली प्रमाण पत्र) की वसूली में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने तहसीलदारों को विशेष रूप से चेताया कि वसूली कार्यों पर व्यक्तिगत निगरानी रखें और लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं। साथ ही राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी लाने और पुराने मामलों को प्राथमिकता से खत्म करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि सभी तहसील स्तर पर समय सीमा निर्धारित कर आरसी का मिलान किया जाए और जहां कहीं भी विसंगतियां हों, उन्हें तत्काल दूर करते हुए वसूली सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि ढिलाई अब किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। कम वसूली वाले विभागों–विशेष रूप से विद्युत, वानिकी, मंडी समिति, बाट-माप, सिंचाई, खनिज, स्टांप एवं निबंधन और वाणिज्य कर–को लेकर डीएम ने विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन विभागों को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाकर लक्ष्य के अनुरूप वसूली करनी होगी। अवैध गतिविधियों पर भी डीएम ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ सख्त प्रवर्तन कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। वहीं विद्युत विभाग को अवैध कनेक्शन और बिजली चोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप सिंह, सभी उप जिलाधिकारी, तहसीलदार एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी के सख्त तेवरों से साफ है कि अब जनपद में राजस्व वसूली को लेकर प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में है और आने वाले दिनों में इसका असर जमीनी स्तर पर देखने को मिलेगा।

अमरोहा में गुंडों पर पुलिस का शिकंजा, 4 पर गुण्डा एक्ट

दैनिक बुलंद मंज़िल/ जितेंद्र यादव

अमरोहा। जनपद में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए अमरोहा पुलिस लगातार सख्त रुख अपनाए हुए है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हसनपुर पुलिस ने चार शातिर अपराधियों के खिलाफ 3/4 गुण्डा एक्ट के अंतर्गत बड़ी कार्रवाई की है। इस कदम से क्षेत्र में सक्रिय आपराधिक तत्वों में हड़कंप मच गया है। पुलिस प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश कुमार भदौरिया के मार्गदर्शन में की गई। अभियान का उद्देश्य जनपद में शांति व्यवस्था कायम रखना और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। पुलिस ने जिन चार

लखन सिंह यादव पुलिस अधीक्षक अमरोहा

युवकों के खिलाफ गुण्डा एक्ट लगाया है, वे लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त बताए जा रहे हैं। कार्रवाई के दायरे में आए अभियुक्तों में अमन पुत्र प्रमोद सिंह निवासी ग्राम चुचैला कलां थाना मंडी धनौरा,रितिक पुत्र सतवीर निवासी ग्राम बरखेड़ा सादात थाना नौगावां सादात, मोहम्मद तालिब पुत्र इदरीश निवासी मोहल्ला हाता कस्बा एवं थाना नौगावां सादात तथा जिंकल मान पुत्र सतेन्द्र निवासी ग्राम उकसी थाना अमरोहा देहात शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इन सभी अभियुक्तों की गतिविधियां जन सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई थीं, जिसके चलते इनके खिलाफ कठोर कदम उठाना आवश्यक हो गया था। गुण्डा एक्ट के तहत कार्रवाई होने के बाद अब इन पर पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी और किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। अमरोहा पुलिस का यह सख्त संदेश साफ है कि अपराध और अपराधियों के लिए जिले में कोई जगह नहीं है। आने वाले समय में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे, ताकि आम जनता को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण मिल सके।

बिजली के तार से टकराई गेहूं लदी ट्रॉली, देखते ही देखते धधकी–मची अफरा-तफरी

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर। थाना क्षेत्र के गांव तलवाड़ा में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गेहूं के लाक से भरी एक ट्रॉली अचानक आग की चपेट में आ गई। घटना गांव के बाहरी छोर पर उस वक्त हुई, जब किसान अपनी फसल को एक खेत से दूसरे खेत में ले जा रहा था। गांव निवासी राधेश्याम पुत्र लोचन ने बताया कि ट्रॉली में लदा गेहूं ऊपर से गुजर रहे बिजली के केबल से टच हो गया। संपर्क होते ही चिंगारी निकली और देखते ही देखते सूखी फसल ने आग पकड़ ली। कुछ ही पलों में आग ने पूरी ट्रॉली को अपनी गिरफ्त में ले लिया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास किया और किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक गेहूं का बड़ा हिस्सा जलकर राख हो चुका था। इस हादसे में किसान को करीब 50 हजार रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। हालांकि गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से ढीले और नीचे लटक रहे तारों को ठीक कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

अमरोहा में सड़क सुरक्षा का बड़ा अभियान– डीएम के आदेश से विभागों में हलचल

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद में सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम ने साफ निर्देश दिए कि दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर वहां तत्काल प्रभाव से प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त की जाए, ताकि रात के समय होने वाले हादसों को रोका जा सके। बैठक में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों व तिराहों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन स्थानों पर बार-बार दुर्घटनाएं हो रही हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर हाईमास्ट लाइट या अन्य उपयुक्त व्यवस्था कराई जाए। साथ ही संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी डीएम ने सख्ती दिखाई। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि जनपद के सभी निजी अस्पतालों में संचालित एम्बुलेंस की सूची, उनके नंबर और चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस का विवरण एक सप्ताह के भीतर तैयार कर प्रस्तुत किया जाए, ताकि आपातकालीन सेवाओं की निगरानी और बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। जोया क्षेत्र में बढ़ते अवैध अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके साथ ही शहर में ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार करने को कहा, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू रह सके और जाम की समस्या कम हो। कुमराला क्षेत्र में लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए डीएम ने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि रॉन्ग साइड से चलने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाकर चालान किए जाएं। वहीं गजरौला चौपला पर लगने वाले जाम को खत्म करने के लिए एनएच और ट्रैफिक पुलिस को संयुक्त रूप से ठोस रणनीति बनाकर कार्रवाई करने को कहा गया। बैठक में एआरटीओ प्रवर्तन द्वारा अवैध पार्किंग पर नियंत्रण के लिए होल्डिंग स्टेशन की मांग उठाई गई, जिस पर जिलाधिकारी ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को उपयुक्त स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए। इस दौरान एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता अनिल जग्गा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में लिए गए निर्णयों से स्पष्ट है कि प्रशासन सड़क सुरक्षा को लेकर अब पूरी तरह एक्शन मोड में है।

जैविक खेती का संकल्प, लेकिन समस्याओं पर बवाल–किसानों ने सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। गुरुवार को भारतीय किसान संघ, जनपद अमरोहा के विकास खण्ड हसनपुर की मासिक बैठक कृषि केंद्र करनपुर में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और समाधान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा गया। बैठक को संबोधित करते हुए विभाग संगठन मंत्री रमेश ने भूमि सुपोषण अभियान पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांवों से खेत की मिट्टी लाकर कलश पूजन करें और जैविक खेती अपनाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती ही भविष्य में किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी और भूमि की उर्वरता को बनाए रखेगी। इस दौरान जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि किसानों के फुंके ट्रांसफार्मर कई दिनों तक नहीं बदले जाते, जिससे सिंचाई कार्य बाधित होता है और फसलों को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने मांग की कि खराब ट्रांसफार्मर दो से तीन दिन के भीतर बदले जाएं और किसानों के गलत बिजली बिलों को तत्काल सही कराया जाए। बैठक में राजस्व विभाग से नायब तहसीलदार हसनपुर और बिजली विभाग से एसडीओ हसनपुर भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर प्रांत गन्ना प्रमुख महिपाल सिंह, जिला विद्युत प्रमुख यशवीर सिंह, जिला कार्यकारिणी सदस्य अशोक शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष ओमवीर सिंह, ब्लॉक मंत्री उमेश कुमार, लोकेश कुमार चौहान, उपाध्यक्ष चौधरी कामेंद्र सिंह, जयप्रकाश शर्मा, विजय पाल सिंह, देवेश कुमार, खड़ग सिंह, खिलेंद्र सिंह, चमन सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में किसानों ने एकजुट होकर अपनी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

पड़ोसी पर अपहरण का आरोप, पुलिस जांच में जुटी

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नगली। क्षेत्र से एक चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां एक नाबालिग किशोरी को कथित तौर पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया गया है। थाना क्षेत्र के एक कस्बा निवासी महिला ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर अपनी 15 वर्षीय पुत्री के अचानक लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, घटना बीते मंगलवार की दोपहर करीब 1 बजे की है, जब किशोरी घर पर मौजूद थी। इसी दौरान गांव का ही रहने वाला युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ कहीं ले गया। काफी तलाश के बाद भी जब किशोरी का कोई सुराग नहीं लगा तो परिजनों में हड़कंप मच गया और परिजन तुरंत थाना सैदनगली पहुंचे। पीड़िता की मां ने पुलिस से गुहार लगाते हुए बेटी की सकुशल बरामदगी और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। परिजनों का कहना है कि घटना के बाद से परिवार गहरे सदमे में है और लगातार बेटी की खोजबीन में जुटा हुआ है। वहीं पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस का कहना है कि किशोरी की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही उसे बरामद कर लिया जाएगा।

20 दिन से सड़क पर खड़ा ट्रॉली ट्रांसफार्मर, शिकायतों के बाद भी कार्रवाई नहीं

बुलन्द मंज़िल आसिम खान

मुरादाबाद । मुरादाबाद के दीवान का बाजार क्षेत्र में विद्युत विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। काजी टोला वार्ड 49 स्थित संकरी गली में इमरजेंसी ट्रॉली पर रखा ट्रांसफार्मर पिछले करीब 20 दिनों से सड़क पर खड़ा है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, विद्युत विभाग द्वारा ट्रांसफार्मर बदलने के नाम पर इसे यहां लाकर खड़ा कर दिया गया था और आश्वासन दिया गया था कि 3-4 दिन के भीतर कार्य पूरा कर ट्रॉली हटा ली जाएगी। लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी न तो ट्रांसफार्मर हटाया गया और न ही समस्या का समाधान किया गया गली संकरी होने के कारण ट्रॉली के खड़े रहने से आवागमन प्रभावित हो रहा है। पैदल चलने वाले लोगों और दोपहिया वाहनों को निकलने में दिक्कत हो रही है, वहीं आपातकालीन स्थिति में रास्ता पूरी तरह बाधित होने का खतरा बना हुआ है क्षेत्रवासियों ने बताया कि इस संबंध में बिजली विभाग के शिकायत नंबर 1912 पर भी कई बार शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का आरोप है कि विभागीय अधिकारी समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर हटवाने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही दोबारा न हो।

01 किलो से अधिक चरस के साथ महिला दबोची, मझोला पुलिस की कार्रवाई

बुलंद मंज़िल-आसिम खान

मुरादाबाद। जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना मझोला पुलिस ने एक महिला तस्कर को गिरफ्तार कर अहम सफलता हासिल की है। गिरफ्तार अभियुक्ता मरियम उर्फ भूरी पत्नी मोहम्मद रिजवान, निवासी गागन वाली मैनाठेर, थाना मझोला के कब्जे से 01 किलो 119 ग्राम अवैध चरस बरामद की गई। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई जारी है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक सतीश कुमार, हेड कांस्टेबल रघु देशवाल, कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार एवं महिला कांस्टेबल जैसमिन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विपक्ष महिलाओं पर टिप्पणी करेगा तो उनके घर की महिलाएं ही देंगी जवाब : गुलाबो देवी

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को बताया ऐतिहासिक कदम, कहा—महिलाओं को मिला नेतृत्व का अधिकार

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद में भारतीय जनता पार्टी द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता देखने को मिली। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाबो देवी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुलाबो देवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि महिलाओं को उनका हक दिलाने और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में भागीदारी देने वाला ऐतिहासिक कदम है उन्होंने कहा कि आज देश की बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। वे केवल घर-परिवार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राजनीति, प्रशासन, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। यह बदलाव सरकार की नीतियों और योजनाओं का परिणाम है मंत्री ने अपने संबोधन में केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए बताया कि कैसे उज्ज्वला योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मिशन शक्ति जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है विपक्ष पर निशाना साधते हुए गुलाबो देवी ने कहा कि विपक्ष ने कभी महिलाओं के उत्थान के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा। उन्होंने कहा कि आज भी विपक्ष के कुछ नेता महिलाओं को लेकर गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी करते हैं। इस पर उन्होंने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अगर विपक्ष महिलाओं के खिलाफ कुछ बोलेगा, तो उनके ही घर की महिलाएं उन्हें जवाब देंगी कार्यक्रम के दौरान अन्य जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे और नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिलाओं के लिए सशक्तिकरण का नया युग बताया। अंत में महिलाओं को सम्मानित भी किया गया और सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई।

बेटियों के सपनों को मिले पंख: कन्या सुमंगला योजना से 31,372 बालिकाओं का संवरा भविष्य

बुलंद मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद में बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एक सशक्त पहल के रूप में उभरकर सामने आई है। इस योजना के तहत अब तक 31,372 बालिकाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। जन्म से लेकर उच्च शिक्षा तक कुल 25,000 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जा रही है चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना के प्रति बढ़ते विश्वास का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 7,809 नए आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 5,037 आवेदनों को स्वीकृति देकर शासन को प्रेषित किया गया है। यह योजना न केवल बेटियों की शिक्षा को प्रोत्साहित कर रही है, बल्कि बाल विवाह पर रोक लगाने और लिंगानुपात सुधारने में भी अहम भूमिका निभा रही है छह चरणों में मिलती है सहायता जिला प्रोबेशन अधिकारी राजेश गुप्ता के अनुसार योजना के अंतर्गत बालिकाओं को 25,000 रुपये की राशि छह चरणों में प्रदान की जाती है–

जन्म के समय: 5,000 रुपये
पूर्ण टीकाकरण पर: 2,000 रुपये
कक्षा 1 में प्रवेश: 3,000 रुपये
कक्षा 6 में प्रवेश: 3,000 रुपये
कक्षा 9 में प्रवेश: 5,000 रुपये
10वीं/12वीं के बाद उच्च शिक्षा में प्रवेश: 7,000 रुपये

अब तक सबसे अधिक लाभ जन्म और टीकाकरण श्रेणी में दिया गया है, जहां सबसे ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए हैं जागरूकता से बदल रही सोच प्रशासन द्वारा योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिले, तहसील, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। कैंप, होर्डिंग और वॉल पेंटिंग के माध्यम से लोगों को बेटियों के अधिकारों और योजना के लाभ के प्रति जागरूक किया जा रहा है आवेदन प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है, जिससे इच्छुक अभ्यर्थी जन सेवा केंद्र, साइबर कैफे या अपने स्मार्टफोन के माध्यम से आसानी से आवेदन कर सकते हैं। साथ ही, प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना जनपद में बेटियों के सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो रही है, जो उनके जन्म से लेकर शिक्षा तक हर पड़ाव पर आर्थिक सहयोग प्रदान कर उनके सपनों को नई उड़ान दे रही है।

स्वरोजगार को बढ़ावा : मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में बिना ब्याज ऋण की सुविधा

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत पात्र अभ्यर्थियों को अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए बैंक के माध्यम से बिना ब्याज ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र मुरादाबाद, श्री दीपेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट `रैी.४स्त्र.ड्डप्५.ल्ल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए अभ्यर्थी की आयु 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा वह उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है उन्होंने बताया कि आवेदन के दौरान पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक, प्रशिक्षण प्रमाण पत्र (यदि उपलब्ध हो), कोटेशन एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य है। योजना के अंतर्गत सेवा या उद्योग क्षेत्र में अधिकतम 5 लाख रुपये तक की परियोजना मान्य होगी, जबकि न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा 8 पास निर्धारित की गई है योजना में सामान्य वर्ग के लिए 15 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग के लिए 12.50 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति के लिए 10 प्रतिशत अंशदान निर्धारित है। जिन अभ्यर्थियों ने पूर्व में किसी सरकारी योजना के तहत ऋण पर सब्सिडी प्राप्त की है, वे इस योजना के लिए पात्र नहीं होंगे ऑनलाइन आवेदन प्राप्त होने के बाद आवश्यक परीक्षण के उपरांत प्रकरण संबंधित बैंक को भेजा जाएगा, जहां स्थल निरीक्षण के बाद नियमानुसार ऋण स्वीकृत किया जाएगा। योजना के अंतर्गत लाभार्थी को केवल मूलधन ही चुकाना होगा, जबकि ऋण पर कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा। साथ ही, 4 वर्ष में ऋण का सफलतापूर्वक भुगतान करने पर परियोजना लागत का 10 प्रतिशत तक सब्सिडी भी प्रदान की जाएगी।अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, कांठ रोड, मुरादाबाद स्थित कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

दीवान का बाजार में नाली में दबा बिजली का खंभा, वर्षों से बनी परेशानी

बुलन्द मंज़िल आसिम खान

मुरादाबाद । के दीवान का बाजार स्थित काजी टोला वार्ड 49 में एक गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा कई वर्षों पहले एक बिजली का खंभा नाली के भीतर दबा दिया गया, जिसे आज तक नहीं हटाया गया है इस खंभे के कारण नाली पूरी तरह जाम हो चुकी है, जिससे गंदा पानी जमा रहता है और आसपास गंदगी फैल रही है। लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार शिकायत की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई स्थानीय निवासियों ने नगर निगम पर भी लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि नाली की सफाई और समस्या के समाधान को लेकर निगम द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसके अलावा बिजली विभाग के संबंधित कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं मोहल्ले के लोगों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि आखिरकार सरकारी खंभे को नाली में दबाकर क्यों छोड़ा गया और वर्षों से इसे हटाने की जहमत क्यों नहीं उठाई गई। लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

विधायक ने शाहबाद क्षेत्र का किया दौरा कई कार्यक्रमों में बैठक की संबोधित

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद में किया निरीक्षण,रतन फार्म हाउस में भारत रत्न बाबा साहेब को माल्यार्पण

दैनिक बुलंद मंजिल /विनोद गुप्ता

रामपुर। गुरुवार को 38 मिलक विधायक राजबाला सिंह ने पहुंचकर कई कार्यक्रमों में भाग लिया सर्वप्रथम विधायक राजबाला सिंह तहसील सभागार में पहुंची और वहां पहुंच कर किसान के हुए धान के नुकसान की भरपाई हेतु किसानो को चेक वितरण किये इसके बाद नगर पंचायत शाहबाद में पहुंचकर नवनिर्वाचित नामित सभासद के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया राजबाला सिंह ने अपने संबोधन में नवनिर्वाचित सभासदों को बधाई पेश की और उनकी उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी इसके बाद विधायक राजबाला सिंह रतन फार्म हाउस में आयोजित बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष में हो रही संगोष्ठी में पहुंचकर भाग लिया और बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि पेश की उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा की बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी ने अपना सारा जीवन दलितों पिछड़ों को न्याय दिलाने में व्यतीत कर दिया इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिलीप सिंह लोधी वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व जिला महामंत्री सुरेश बाबू गुप्ता राष्ट्रीय परिषद सदस्य सुभाष भटनागर भाजपा जिला महामन्त्री रबिंद सिंह रवि सीओ शाहबाद देवकीनंदन भाजपा जिला उपाध्यक्ष वेद प्रकाश सागर जी नगर पंचायत शाहाबाद अध्यक्ष सुम्बुल नाज जी नगर पंचायत अध्यक्ष पति वसीम खान अनुभव शर्मा ठाकुर पुरुषोत्तम सिंह पुष्पेंद्र तिवारी मोनी पांडे राकेश कश्यप डॉ राशिद अल्वी अनुज चौहान राहुल पांडे नवल किशोर पांडे पीतांबर सिंह लोधी आदि भारी भारी तादाद में लोग उपस्थित रहे।

नगर पंचायत में सभासदों के शपथ ग्रहण समारोह में महिला कार्यकताओं व मीडिया में दिखी नाराजगी

दैनिक बुलंद मंजिल

शाहबाद रामपुर। नगर पंचायत कार्यालय के प्रांगण में एक तरफ शासन द्वारा नामित तीन सभासदों के स्वागत में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं द्वारा उन्हें फूल माला पहनाकर स्वागत किया जा रहा था, बधाइयां दी जा रही थी और मंच पर आसीन भाजपा नेताओं द्वारा तीनों नामित सभासदों से उम्मीद जताई जा रही थी कि वह शाहबाद क्षेत्र में विकास की गंगा बहाने में जनता का सहयोग करेंगे। परंतु कार्यक्रम में मौजूद मीडिया और महिला कार्यकर्ता पूरे समय अपनी उपेक्षा से असंतुष्ट दिखाई देते रहे। वरिष्ठ महिला भाजपा नेता मंजू लता शर्मा ने मीडिया को अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि कार्यक्रम में वह और एक अन्य वरिष्ठ महिला कार्यकर्ता रेनू श्रीवास्तव जो दो बार अपने वार्ड से सभासद भी रही हैं को मंच पर दो शब्द बोलने के लिए भी नहीं बुलाया गया। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मानी जाने वाली मीडिया भी इस बात से नाराज दिखाई दी कि मंच से बोलने वाले भारतीय जनता पार्टी के किसी भी नेता ने अपने संबोधन में कार्यक्रम को चार चांद लगाने वाली और कार्यक्रम का प्रचार प्रसार करने वाली मीडिया को याद नहीं किया। जिसके लिए मीडिया में भारी रोष रहा।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। गुरुवार को थाना क्षेत्र बड़ागांव के जंगल में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।वहीं परिजनों ने बताया कि मृतक दिल्ली के लिए कह कर गया था। जानकारी के मुताबिक सुबह खेतों की ओर जा रहे किसानों की नजर जंगल में एक पेड़ से लटके युवक पर पड़ी। जिसे देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे और युवक के शव को पेड़ से नीचे उतारकर घर ले गए। बताया जा रहा है कि शव को सुपुर्दखाक कर दिया गया है। मृतक की पहचान अजीम (18) के रूप में हुई है। घटना को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएँ हो रही हैं।

नाबालिग का ट्रैक्टर स्टंट वायरल, जान जोखिम में डालकर बनाया वीडियो

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव खड़करानी से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक नाबालिग लड़के का ट्रैक्टर पर खतरनाक स्टंट करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि नाबालिग लड़का ट्रैक्टर को खड़ा कर स्टंट कर रहा है, जिससे उसकी जान को गंभीर खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह वीडियो हाल ही में गांव खड़करानी का बताया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह के स्टंट से न सिर्फ खुद की जान खतरे में पड़ती है, बल्कि आसपास मौजूद लोगों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है। बावजूद इसके युवाओं में सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलोअर्स पाने की होड़ में ऐसे खतरनाक करतब करने का चलन बढ़ता जा रहा है। वायरल वीडियो के सामने आने के बाद पुलिस महकमे में भी हलचल मच गई है।

साइबर सैल पुलिस ने चार मोबाइल फोन बरामद कर उनके स्वामियों को सौंपे

दैनिक बुलंद मंजिल

रामपुर। पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना रामपुर द्वारा मोबाइल बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह के कुशल पर्यवेक्षण में उएक्फ़ ढडफ्ळअछ (डील्ल३१' ए०४स्रील्ल३ कील्ल३३८ र्फ्२३ी१) के माध्यम से गुम/खोए हुए मोबाइलों के सम्बन्ध में प्राप्त शिकायतो पर साइबर सैल थाना कोतवाली पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए कुल 04 मोबाइल बरामद किये गये है । मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि कुल बरामद 04 मोबाइल (अनुमानित कीमत करीब 56,259/- रुपये) को गुरुवार को साइबर सैल थाना कोतवाली द्वारा मोबाइल स्वामियों के सुपुर्द किया गया । मोबाइल पाकर मोबाइल स्वामियों द्वारा रामपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया गया तथा आम जनमानस द्वारा इस सराहनीय कार्य हेतु रामपुर पुलिस की भूरि-भूरि प्रंशसा की गयी । जानकारी में यह भी बताया कि उनके द्वारा बरामद किये गये मोबाइल का विवरण 1.04 मोबाइल (भिन्न-भिन्न कम्पनी)फोन बरामद करने वाली टीम

1.प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार मलिक

2.क0ऑ0 पुष्पेन्द्र सिंह

5.का0 विपुल चौधरी

6.महिला आरक्षी सरिता यादव रहे।

नगर पंचायत शाहबाद में हुआ शपथ ग्रहण कार्यक्रम तीन नामित सभासदो ने ली शपथ

दैनिक बुलंद मंजिल /विनोद गुप्ता

शाहबाद रामपुर। गुरुवार को नगर पंचायत शाहबाद में उत्तर प्रदेश सरकार के नामित सदस्यों की शपथ ग्रहण कार्यक्रम हुआ। जिस दौरान अमित चंद्रवंशी, अर्पित वशिष्ठ एवं विनीत लोधी ने सभासद नामित होने पर शपथ ग्रहण की। जिस दौरान विधायक राज बाला सिंह, चेयरमैन सुमंबल नाज , चेयरमैन पति वसीम खान, अधिशासी अधिकारी कुमार संजय , वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश बाबू गुप्ता , गन्ना विभाग के चेयरमेन विवेक पांडेय , दर्शन लोधी, महेश चंद्रवंशी, नरेंद्र सिंह, सी ओ देवकीनंदन , भाजपा नेता पम्मी शर्मा, गिरीश कुमार पाठक, संजय चौधरी, नरेश कुमार शर्मा भाजपा नामित सभासद सेफनी , वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता महेश गुप्ता, एड. मनोज भारद्वाज , डॉ मनोज कुमार, मोनी पाण्डेय, मुकेश चंद्र गुप्ता, गोरे खान , शाजमान आर्यन, मंजू लता शर्मा, रेनू श्रीवास्तव राजेंद्र गुप्ता उर्फ राजू , रामसुमरन पाराशरी, अनुभव शर्मा , ठाकुर पीयूष सिंह, एड. रोहित बरन बाल , धीरेन्द्र सक्सेना उर्फ सोनू आदि मौजूद रहे।

भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष हंसराज पप्पू के बड़े भाई को दी श्रद्धांजलि

दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। विधायक राजबाला ने भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष हंसराज के आवास पहुंचकर उनके मृत भाई के लिए शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं एवं दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस कठिन समय में परिवारजनों को धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की।इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष सुभाष भटनागर, विधानसभा संयोजक सुरेश बाबू गुप्ता जी उपस्थित रहे।

अवैध संबंधों के चलते पत्नी ने ही रचा था पति की हत्या का षड्यंत्र, समधी के साथ मिलकर उतारा मौत के घाट

दैनिक बुलंद मंजिल /संवाददाता रामौतार शर्मा

सम्भल। थाना धनारी पुलिस ने सनसनीखेज हत्या के मामले का खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी व उसके प्रेमी रिश्ते में समधी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, प्रेम संबंधों में बाधा बन रहे पति को रास्ते से हटाने के लिए दोनों ने मिलकर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया था।?पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि ग्राम भिरावटी निवासी नरेश की हत्या के मामले में पुलिस गहनता से जांच कर रही थी। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि मृतक नरेश की पत्नी शीला का गांव उधरनपुर अजमतनगर निवासी सत्यपाल पुत्र महावीर के साथअवैध संबंध था। सत्यपाल रिश्ते में शीला का समधी लगता है।?दोनों के बीच चल रहे इस अवैध प्रेम प्रसंग की जानकारी जब नरेश को हुई, तो वह उनके बीच बाधा बनने लगा। इसी के चलते शीला और सत्यपाल ने मिलकर नरेश को रास्ते से हटाने की साजिश रची और उसकी हत्या कर दी।?पुलिस की कार्यवाही व बरामदगी ,?धनारी थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से घटना में प्रयुक्त सामान बरामद किया है। एक सैमसंग गैलेक्सी अ05 मोबाइल।?एक अन्य कीपैड सैमसंग मोबाइल।?एक प्लैटिना बजाज मोटरसाइकिल वढ7रइङ2810 हत्या में प्रयुक्त एक गमछा आलाकत्ल।?गिरफ्तार ?सत्यपाल पुत्र महावीर उम्र 42 वर्ष, निवासी ग्राम उधरनपुर अजमतनगर।?शीला पत्नी नरेश उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम भिरावटी।?सराहनीय कार्य करने वाली टीम ?इस मामले के सफल अनावरण में थानाध्यक्ष संजय कुमार, सर्विलांस सेल प्रभारी रामवीर सिंह, उप-निरीक्षक उपदेश कुमार और उनकी टीम की मुख्य भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने टीम की तत्परता की सराहना की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 103(1)/3(5) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें चंदौसी न्यायालय भेज दिया है।

राजकीय महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने निकाली रैली नारी शक्ति अधिनियम प्रचार का किया समर्थन

दैनिक बुलंद मंज़िल

जुनावई । स्थानीय राजकीय महाविद्यालय बबराला गुन्नौर संभल मैं गुरुवार को नारी शक्ति बंधन अधिनियम 2023 के अंतर्गत छात्र-छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर से रैली निकाली गई इसके बाद बदायूं मेरठ हाईवे से होते हुए कस्बा जुनावई में मैन चौराहे से घूमते हुए पुलिस थाने के सामने से गुजरते हुए महाविद्यालय परिसर में रैली का समापन किया गया इस मौके पर बालिकाओं ने नारी शक्ति अभियान के तहत हाथों में पोस्टर लेकर रैली निकाली और नारी शक्ति अधिनियम प्रचार का समर्थन किया गया। रैली में महाविद्यालय के छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय में उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। रैली में महाविद्यालय के प्राचार्य के साथ ही समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

रामपुर एसपी का सैफनी थाने में औचक निरीक्षण,व्यवस्थाओं का लिया जायजा

दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। रामपुर पुलिस अधीक्षक सोमेन्द्र मीना ने गुरुवार को थाना सैफनी का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर, कार्यालय अभिलेख, मालखाना, हवालात तथा मिशन शक्ति केन्द्र का बारीकी से निरीक्षण किया। एसपी ने अभिलेखों के समुचित संधारण और उनमें की जाने वाली प्रविष्टियों को अद्यतन रखने के निर्देश दिए। साथ ही थाना परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।साथ ही निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कर्मियों को सतर्कता एवं अनुशासन के साथ ड्यूटी निभाने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि आमजन के साथ विनम्र व्यवहार बनाए रखना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

सीबीएसई दसवीं वीं का परिणाम घोषित श्रेयांश जैन ने 97% अंकों के साथ बहजोई में किया टॉप।

दैनिक बुलंद मंजिल / संवाददाता रामौतार शर्मा

संभल,बहजोई। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा गुरुवार को घोषित किए गए कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणामों में बहजोई के मेधावियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। नगर के विभिन्न स्कूलों के कुल 25 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।एंग्लो वैदिक स्कूल का रहा दबदबा परीक्षा परिणामों में एंग्लो वैदिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा। यहाँ के सर्वाधिक 18 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक हासिल किए। स्कूल के छात्र श्रेयांश जैन पुत्र श्री अंशुल जैन ने 97% अंक प्राप्त कर न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे बहजोई नगर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रमुख विद्यालयों का परिणाम नगर के अन्य प्रमुख स्कूलों में भी सफलता का जश्न देखने को मिलाः सिल्वर स्टोन सीनियर सेकेंडरी स्कूलः यहाँ से कुल 5 बच्चों ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किए। विद्यालय में सक्षम गुप्ता 96% अंकों के साथ टॉपर रहे। बालाजी इंटरनेशनल स्कूल यहाँ के 2 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक की श्रेणी में जगह बनाई। विधि वासुदेव ने 95% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान पाया।मिठाई खिलाकर मनाया जश्न जैसे ही परिणाम घोषित हुए, विद्यालयों और छात्रों के घरों में खुशी की लहर दौड़ गई। एंग्लो वैदिक स्कूल सहित अन्य शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों ने मेधावी छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। बच्चों ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के मार्गदर्शन और शिक्षकों की कड़ी मेहनत को दिया है।

किसान की दस वींघा गेहूं की फसल जलकर हुई राख परिवार में मायूसी

बुलंद मंज़िल गुन्नौर

जुनावई । थाना क्षेत्र के गांव लतीपुर धीर में एक किसान की करीब दस बीघा गेहूं की खड़ी फसल में अचानक आग लगने से पूरी फसल जलकर राख हो गई। इस घटना से किसान को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है और परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव लतीपुर धीर निवासी मास्टर प्रताप सिंह (पुत्र मुंशी सिंह) की करीब दस बीघा गेहूं की फसल खेत में खड़ी थी। अचानक अज्ञात कारणों से फसल में आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। जब तक आग पर काबू पाया जाता, तब तक पूरी फसल जलकर नष्ट हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की फायर ब्रिगेड टीम और पुलिस मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों के सहयोग और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। पीड़ित किसान प्रताप सिंह ने बताया कि यह उनकी एकमात्र फसल थी, जिससे पूरे साल परिवार का भरण-पोषण होना था। फसल जलने से वह पूरी तरह बर्बाद हो गए हैं और अब परिवार के पालन-पोषण को लेकर गंभीर चिंता में हैं। घटना के बाद से परिवार में मायूसी का माहौल है। वहीं, जुनावई थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी।

ताजपुर बहेटा गाँव में जनरेटर चोरी कर भागे चोर, खेतों में खुला मिला सामान

दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। थाना क्षेत्र के ताजपुर बहेटा गांव में बुधवार रात चोरी की वारदात से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। गांव निवासी प्रेमसिंह ने बताया कि उसकी गाँव में ही टेंट की दुकान है।उन्होंने बताया कि अनुसार उनकी दुकान के बाहर खड़ा बड़े पहियों वाला जनरेटर रात के समय अज्ञात चोर खोलकर ले गए। बताया गया कि सुबह जब परिजन मौके पर पहुंचे तो जनरेटर दुकान से करीब 200 मीटर दूर खेतों में खुली अवस्था में पड़ा मिला। जांच करने पर पता चला कि जनरेटर के अंदर लगा अल्टीनेटर चोरी कर लिया गया है। घटना के समय प्रेम सिंह के पिता गोदाम पर सो रहे थे। जबकि प्रेम सिंह अपने पुराने घर पर सो रहे थे, जिससे चोरों ने मौके का फायदा उठाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई।

CMYK

भाजपा जिला मंत्री के ट्यूबवेल पर धावा चोरी की वारदात से क्षेत्र में दहशत

ताला तोड़कर कृषि उपकरण और पाइप ले उड़े चोर, पुलिस को दी गई लिखित शिकायत

दैनिक बुलंद मंज़िल

बिसौली। थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के ग्राम खेड़ादास के जंगलों में इन दिनों अज्ञात चोरों का आतंक चरम पर है। चोरों ने अब भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री विशाल चौहान के निजी ट्यूबवेल को निशाना बनाते हुए वहां रखे हजारों रुपये के कृषि उपकरण और पाइप चोरी कर लिए हैं। इस घटना से किसानों और स्थानीय ग्रामीणों में रोष और भय का माहौल है भाजपा जिला मंत्री विशाल चौहान (निवासी सोसायटी चंदौसी ग्रीन, ग्राम देवरा खेड़ा,

संभल) का निजी ट्यूबवेल ग्राम खेड़ादास के पास श्मशान घाट के नजदीक स्थित है। इस खेत को गांव के ही निवासी किशनपाल पुत्र चंद्रपाल सिंह बटाई पर करते हैं। बीती रात अज्ञात चोरों ने ट्यूबवेल के गेट का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां रखे पानी के दो बड़े पाइप सहित अन्य महत्वपूर्ण कृषि उपकरण चोरी कर लिए।?वारदात का पता चलते ही बटाईदार किशनपाल ने तुरंत इसकी सूचना 112 पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया है। किसान की ओर से थाना फैजगंज बेहटा में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायती पत्र देकर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।??स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जंगलों में स्थित ट्यूबवेलों पर लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से किसान डरे हुए हैं। सिंचाई के मुख्य सीजन में उपकरणों की चोरी होने से खेती-किसानी पर भी बुरा असर पड़ रहा है। भाजपा नेता के यहां हुई इस चोरी के बाद अब स्थानीय पुलिस की गश्त और कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

बिजली से गेहूं की खड़ी फसल में लगी आग किसानों का हुआ भारी नुकसान

दैनिक बुलंद मंज़िल

जनावई । थाना क्षेत्र के एक गांव में बिजली से गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई जिसके कारण खेतों में अफरा तफरी मच गई आसपास खेतों में कार्य कर रहे लोग मौके पर पहुंचे आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली वहीं फायर ब्रिगेड की गाड़ी को भी सूचना दी गई मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी और पुलिस लेकिन तब तक दो किसानों के गेहूं जलकर राख हो गए थाना क्षेत्र के लतीपुर धीर गांव निवासी विजेंद्र पुत्र मेवाराम के खेत में नलकूप समर लगी हुई है गुरुवार को अचानक शॉर्ट सर्किट होने के कारण खेत में खड़े गेहूं की फसल में बिजली से आग लग गई जिसमें विजेंद्र के लगभग तीन बीघा गेहूं जल गए इसके साथ ही पास में गांव के ही प्रताप का खेत था उसमें भी आग ने गेहूं को अपनी चपेट में ले लिया और प्रताप के

लगभग दस बीघा गेहूं जलकर राख हो गए दोनों किसानों के लगभग 13 बीघा गेहूं जलकर राख हो गए आपको बता दें जैसे ही खेत में आग चलती हुई लोगों ने देखी तो आसपास खेतों में काम कर रहे लोग दौड़कर मौके पर आग बुझाने के लिए पहुंच गए जहां पर उन्होंने अपने निजी साधनों से आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग ने विकराल रूप धारण कर लिया वही ग्रामीणों द्वारा फायर ब्रिगेड की गाड़ी को भी सूचना दी गई सूचना पाते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी और पुलिस मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक गेहूं की फसल चलकर राख हो चुकी थी आसपास चल रही आग को गाड़ी के द्वारा बुजाया गया वहीं गेहूं की खाड़ी फसल जलने से किसानों का भारी नुकसान हुआ है

सौंधन की मैन बाजार में रखे खोखा में लगी आग

मिठाई व दर्जी की दुकान में अज्ञात कारणों से लगी आग

भूरे सिंह यादव/ बुलंद मंज़िल

सौंधन/संभल। तहसील क्षेत्र के गांव सौंधन मोहम्मदपुर की मैंन बाजार में रखे दर्जी एवं मिष्ठान के खोखा में अज्ञात कारणों से लगी आग थाना कैला देवी थाना क्षेत्र के सौंधन निवासी नेकपाल पुत्र अमरसिंह का मिष्ठान की दुकान खोखा में रख कर अपने परिवार का पालन पोषण करता था कुछ दिनों से दुकान बंद पड़ी थी ' मोहम्मद नबी पुत्र सेफुल कपड़े सिलाई का काम करता है जो अपने परिवार का पालन पोषण सिलाई कर अपना जीवन यापन कर रहा था गुरुवार सुबह आठ के करीब खोखा के पीछे पड़े कूड़े के ढेर में से आग लगने से

खोखा को आग ने अपनी चपेट में ले लिया देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया जिससे दोनों खोखा जल कर राख हो गए बताया गया की मैन बाजार में पानी की कोई व्यवस्था न होने के कारण आग पर काबू नहीं कर पाए फायर बिग्रेड को फोन किया गया पर नम्बर नहीं लगा ' मैन बाजार में आग लगने से अफरा तफरी मच गई हालांकि गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ ' दोनों लोगों का हजारों का नुकसान हुआ है थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार वर्मा ने बताया की इस तरह की कोई सूचना नहीं मिली है अगर कोई जानकारी मिलती है तो जांच कर कार्यवाही की जाएगी

टक्कर लगने से बाईक सवार युवक की हुई मौत, बाईक पर सवार तीन दोस्तों में से एक हुई मौत

दैनिक बुलंद मंज़िल /बीरेंद्र सिंह

सिंहपुसानी। थाना क्षेत्र एचौड़ा कंबोह के सैदनगली मनौटा मार्ग पर हाजीबेडा चौराहे के पास सड़क हादसे में घायल बाईक सवारों में से बाईक चालक गांव पनसुखा मिलक निवासी राहुल उम्र लगभग 19 वर्ष की ईलाज के दौरान मौत हो गई। बुद्धवार शाम को थाना क्षेत्र के गांव पनसुखा मिलक निवासी युवक राहुल अपने साथी प्रज्ञान और कनिष्क के साथ बाईक पर सवार होकर एचौड़ा कंबोह को आया था। तीनों युवक देर शाम घर को वापस जाते समय जब सैदनगली मनौटा मार्ग पर हाजीबेडा अस्पताल चौराहे के पास पहुंचे तो बाईक किसी वाहन से टकरा गई और तीनों

युवक घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी असमोली भिजवाया। बाईक चालक राहुल की गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टर ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। मुरादाबाद को ले जाते समय घायल युवक ने दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक दो भाई बहनों में अकेला था और केंटर चला कर परिवार का पालन पोषण कर रहा था। मृतक के पिता की बहुत समय पहले मौत हो चुकी है। इकलौते बेटे को की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। शव का पोस्टमार्टम होने के बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया।

बैरुआ गाँव में ट्रैक्टर-ट्रॉली की पिन निकलने से ट्रैक्टर पलटा, मजदूर की दर्दनाक मौत

दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। क्षेत्र के ग्राम बैरुआ में गुरुवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में किसान की मौत हो गई, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी सोमपाल (47) पुत्र मेवाराम अपने खेत से गेहूं निकलवाकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से घर वापस लौट रहे थे। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ कुछ मजदूर भी मौजूद थे। रास्ते में अचानक ट्रैक्टर और ट्रॉली के बीच लगी पिन निकल गई। जिससे संतुलन बिगड़ गया और ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा इतना गंभीर था कि ट्रैक्टर चला रहे सोमपाल उसके नीचे दब गए और उन्हें गंभीर चोटें

आईं। मौके पर मौजूद मजदूरों ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकाला और तुरंत सैफनी के एक निजी अस्पताल पहुंचाया। लेकिन तब तक सोमपाल की सांसे थम चुकीं थीं। मजदूर के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

खराब नहर पटरी से राहगीर परेशान, सड़क निर्माण की मांग तेज

दैनिक बुलंद मंज़िल सलीम हैदर

बरूकी-बिजनौर-मुरादाबाद । मार्ग पर खारी झालू के बीच से निकलकर नजीबाबाद के ग्राम सरवनपुर कोतवाली रोड से जुड़ने वाली नहर की पटरी की हालत बेहद खराब हो चुकी है। जर्जर सड़क के कारण राहगीरों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि नहटौर शाखा की यह नहर पटरी बिजनौरझ्रमुरादाबाद रोड को पानीपतझ्रखटीमा नेशनल हाईवे तथा हरिद्वारझ्रनैनीताल हाईवे से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। करीब 30 किलोमीटर लंबी यह पटरी निर्माण

के एक वर्ष के भीतर ही खस्ताहाल हो गई थी, जिसके बाद से लगातार इसकी स्थिति बिगड़ती जा रही है। इस मार्ग का उपयोग करने वाले यात्रियों का कहना है कि बिजनौर, किरतपुर और नजीबाबाद शहर में प्रवेश किए बिना सीधे नजीबाबाद से मुरादाबाद रोड पर पहुंचने के लिए यह रास्ता बेहद महत्वपूर्ण है। लेकिन सड़क खराब होने के कारण रोजाना सफर करना जोखिम भरा और समय लेने वाला बन गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई बार संबंधित विभाग के अधिकारियों को लिखित और मौखिक रूप से सड़क निर्माण की मांग की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। विभागीय लापरवाही के चलते वर्षों से सड़क की मरम्मत तक नहीं कराई गई है। इस मामले को लेकर ग्राम प्रधान संगठन के जिला अध्यक्ष सचिन मलिक, उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत संगठन के जिला अध्यक्ष डॉ. विकुल मलिक और भारतीय किसान यूनियन के कार्यकताओं ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस महत्वपूर्ण मार्ग का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

अफजलगढ़ में 9 दिन से जारी किसानों का धरना समाप्त, प्रशासन ने दिया आश्वासन

दैनिक बुलंद मंज़िल /मौहम्मद फैजान

अफजलगढ़। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का 9 दिनों से जारी धरना अधिकारियों के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। यह धरना अफजलगढ़-कालागढ़ मार्ग स्थित गेस्ट हाउस पर चल रहा था। प्रशासन की ओर से समस्याओं के समाधान का आश्वासन मिलने के बाद किसानों ने धरना समाप्त करने का निर्णय लिया। धरने के दौरान किसानों ने अपनी 5 सूत्रीय मांगों को लेकर पुलिस व वन विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। अंतिम दिन पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) आलोक सिंह और अमानगढ़ रेंज की रेंजर अंकिता

किशोर भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। भाकियू नेताओं ने उन्हें क्षेत्र की समस्याओं और किसानों से जुड़े मुद्दों से अवगत कराया।अधिकारियों ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी जायज मांगों का समयबद्ध तरीके से निस्तारण किया जाएगा। वन विभाग के अधिकारियों ने विशेष रूप से अमानगढ़ रेंज से संबंधित समस्याओं पर सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। प्रशासनिक आश्वासन के बाद किसानों ने धरना समाप्त कर दिया, हालांकि यूनियन नेताओं ने स्पष्ट किया कि वे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर नजर बनाए रखेंगे। भाकियू के जिलाध्यक्ष सुनील प्रधान ने चेतावनी दी कि यदि तय समय में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो संगठन आगे की रणनीति बनाकर आंदोलन को फिर से तेज करेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिलाध्यक्ष सुनील प्रधान, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह चौहान, युसुफ कुरैशी, मीडिया प्रभारी दीपक सिरोही और अतुल शर्मा सहित कई किसान मौजूद रहे।

सर्किट हाउस में विकास कार्यो की समीक्षा, डॉ. जयपाल सिंह ने दिए जरूरी निर्देश

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। शहर स्थित सर्किट हाउस सभागार में जिला स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मा. सदस्य, विधान परिषद उत्तर प्रदेश डॉ. जयपाल सिंह ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास कार्यों की गहन समीक्षा की इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने विशेष रूप से जनकल्याणकारी योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखने और आम जनता को उनका लाभ सुनिश्चित कराने पर जोर दिया बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिस पर डॉ. जयपाल सिंह ने आवश्यक सुझाव और दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रिजर्व पुलिस लाइन में बड़ा खाना का आयोजन, एसपी अभिषेक झा व डीएम जसजीत कौर रहे मौजूद

दैनिक बुलंद मंज़िल/उप जिला प्रभारी मौहम्मद फैजान

बिजनौर। रिजर्व पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में पारंपरिक ह्लबड़ा खानाह्व कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा एवं जिलाधिकारी जसजीत कौर की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में जिले के सभी थाना प्रभारियों, पुलिस अधिकारियों, जवानों तथा उनके परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच आपसी समन्वय, सौहार्द एवं भाईचारे का माहौल देखने को मिला। बड़ा खाना के दौरान सभी ने एक साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया, जिससे आपसी संबंध और अधिक प्रगाढ़ हुए। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल में एकता, सहयोग और सकारात्मक कार्य वातावरण को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर पर एसपी अभिषेक झा एवं डीएम जसजीत कौर ने पुलिस कर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम टीम भावना को मजबूत करते हैं और मनोबल बढ़ाते हैं। उन्होंने सभी कर्मियों को अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण और आपसी शुभकामनाओं के साथ किया गया।

विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में गुणवत्ता पर जोर, प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने दिए निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

बिजनौर। कलेक्ट्रेट सभागार में प्रभारी मंत्री/राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का क्रियान्वयन पूर्ण मानक एवं उच्च गुणवत्ता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पहुंचे, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी जसजीत कौर ने भी विभागवार प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराया जाए तथा जनहित से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की बाधा न आने दी जाए।इस अवसर पर जनपद के सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और अपने-अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

10वीं बोर्ड परीक्षा में छात्रों का शानदार प्रदर्शन, विद्यालय में खुशी की लहर

यह परिणाम केवल अंक नहीं, बल्कि मेहनत, लगन और सपनों की जीत का प्रतीक है

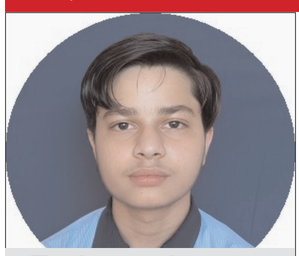
Tushar yadav 97%

Jonu saini 95.4%

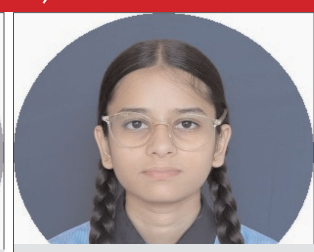
Kanghna sharma 94%

Anshika 92.6%

दैनिक बुलंद मंजिल
गुलफाम राजा

रवाना शिकारपुर। सीबीएसई बोर्ड की 10वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित होते ही क्षेत्र के प्रतिष्ठित विद्यालय एम.डी. इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रवाना शिकारपुर में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने प्रथम शैक्षिक सत्र में ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है।विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर शानदार सफलता हासिल की। इस वर्ष तुषार यादव ने 97% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं जोनू सैनी ने 95.4%, कंगना शर्मा ने 94% और अंशिका ने 92.6% अंक प्राप्त कर विद्यालय सहित पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया।इन परिणामों ने यह साबित कर दिया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मार्गदर्शन सही मिले, तो सफलता अवश्य मिलती है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से न केवल विद्यालय का मान बढ़ा है, बल्कि अन्य छात्रों के लिए भी यह एक प्रेरणास्त्रोत बना है।विद्यालय के प्रबंधक देवेन्द्र सिंह ने इस सफलता को ह्लनई पीढ़ी की बड़ी उड़ानह्व बताते हुए कहा कि यह परिणाम आने वाले वर्षों के लिए एक मजबूत आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण की सराहना की।वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य टीकम सिंह ने कहा कि यह सफलता केवल छात्रों की नहीं, बल्कि शिक्षकों और अभिभावकों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छात्र भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश और समाज का नाम रोशन करेंगे।परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल बन गया। शिक्षकों की आंखों में गर्व और अभिभावकों के चेहरों पर संतोष साफ झलक रहा था।विद्यालय प्रबंधन ने मेधावी छात्रों को सम्मानित करने की घोषणा करते हुए कहा कि यह उपलब्धि आने वाले छात्रों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

स्योहारा में कांग्रेस को मिली नई ताकत, नौशाद प्रिंस के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने थामा हाथ

बिजनौर सदस्यता अभियान में दिखी जबरदस्त एकजुटता, कांग्रेस परिवार हुआ और मजबूत

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जनपद बिजनौर में कांग्रेस के सदस्यता अभियान को उस समय नई ऊर्जा और गति मिली, जब स्योहारा सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। यह कार्यक्रम उत्साह और जोश से भरपूर रहा, जहां कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं की मजबूत उपस्थिति ने संगठन की बढ़ती ताकत का स्पष्ट संकेत दिया। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रदेश नरवाल एवं जिला अध्यक्ष हेनरीता राजीव सिंह ने नए सदस्यों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। स्योहारा के युवा नेता नौशाद प्रिंस के नेतृत्व में पहुंचे सैकड़ों लोगों ने कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा पर भरोसा जताते हुए पार्टी का दामन थामा। इस अवसर पर वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाती रही है और आज भी युवाओं, किसानों, महिलाओं तथा समाज के हर वर्ग की आवाज बनकर मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य सिर्फ राजनीति नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और अधिकार पहुंचाना है। स्योहारा से आए नए सदस्यों ने भरोसा दिलाया कि वे क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करेंगे और पार्टी की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और सभी ने एकजुट होकर संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि स्योहारा क्षेत्र में नौशाद प्रिंस लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। युवाओं को जोड़ने, सामाजिक मुद्दों को उठाने और संगठन को मजबूत करने में उनका योगदान अहम माना जा रहा है। उनके नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोगों का कांग्रेस से जुड़ना आने वाले समय में पार्टी के लिए सकारात्मक संकेत है। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने नए सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया और विश्वास जताया कि सदस्यता अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संगठन को और अधिक विस्तार दिया जाएगा और हर वर्ग के लोगों को कांग्रेस से जोड़ने का प्रयास तेज किया जाएगा।

नहटौर की बेटी रुकैया परवीन ने हाई स्कूल में 92% अंक लाकर किया टॉप डॉक्टर बनना चाहती हैं रुकय्या परवीन

दैनिक बुलंद मंजिल ब्यूरो
चीफ बिजनौर

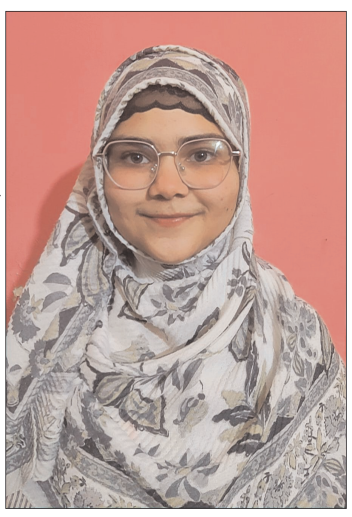

बिजनौर /नहटौर। बिजनौर जनपद के नहटौर क्षेत्र से एक बेहद गर्व की खबर सामने आई है। श ङ क्ल्ल३ी१ल्लं३ङ्गल्लं' रूँङ्गङ्क' की मेधावी छात्रा रुकैया परवीन, पुत्री कफील अहमद, निवासी मोहल्ला शेखान, नहटौर ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर हाई स्कूल की परीक्षा में 92% अंक प्राप्त कर स्कूल में टॉप किया है। उनकी इस शानदार उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। रुकैया परवीन शुरू से ही पढ़ाई में अव्वल रही हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और निरंतर मेहनत को दिया है। रुकैया के पिता कफील अहमद ने बताया कि उनकी बेटी ने हमेशा पढ़ाई को प्राथमिकता दी और पूरे समर्पण के साथ मेहनत की, जिसका परिणाम आज सबके सामने है। इस सफलता के बाद रुकैया के घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। मोहल्ले के लोगों, रिश्तेदारों और स्कूल स्टाफ ने उन्हें मिठाई खिलाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्कूल प्रबंधन ने भी रुकैया की इस उपलब्धि को विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण बताते हुए कहा कि यह अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा है। रुकैया परवीन का सपना है कि वह आगे चलकर डॉक्टर बनें और समाज के गरीब व जरूरतमंद लोगों की सेवा करें। उन्होंने बताया कि वह अपनी आगे की पढ़ाई पूरी लगन से जारी रखेंगी और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगी। रुकैया की यह सफलता न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे नहटौर क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है। उनकी इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत और लगन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

देश के शीर्ष नेताओं का अपमान : आपत्तिजनक वीडियो वायरल, विश्व हिंदू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ में उबाल

इंस्टाग्राम रील से फैली आग, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग तेज

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक वीडियो के वायरल होने से जनपद समेत पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल बन गया है। वायरल वीडियो में एक युवक देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ तथा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरों का अपमान करता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो में युवक इन नेताओं की तस्वीरों को पैरों से कुचलता और आग के हवाले करता नजर आ रहा है। जानकारी के अनुसार यह वीडियो इंस्टाग्राम आईडी #रुँ९ॅ१333 से रील बनाकर पोस्ट किया गया, जिसके बाद यह तेजी से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो गया। वीडियो में उक्त युवक के साथ अन्य लोग भी बैठे नजर आ रहे हैं, जिससे यह मामला और गंभीर हो गया है। इस घटना के सामने आने के बाद हिंदू संगठनों में भारी रोष व्याप्त है। लोगों का कहना है कि इस तरह की हरकतें न केवल देश के सर्वोच्च पदों का अपमान हैं, बल्कि समाज में वैमनस्य और तनाव फैलाने का प्रयास भी हैं। विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों के तीखे बयान प्रशांत तोमर (प्रदेश अध्यक्ष, विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ) उन्होंने कहा कि यह कृत्य राष्ट्र का अपमान है और इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए। स्वाति तोमर (प्रदेश अध्यक्ष, विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ) उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर इस प्रकार की नफरत फैलाने वाली गतिविधियां बेहद चिंताजनक हैं। दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि समाज में शांति और सौहार्द बना रहे। नागेन्द्र सिंह राजपूत (प्रदेश मंत्री, विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ एवं चैनल इन चीफ, सिटी न्यूज आल इंडिया / वरिष्ठ पत्रकार) न्होंने इसे सुनियोजित साजिश बताते हुए कहा कि ऐसे तत्व समाज को बांटने का काम कर रहे हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आईटी एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। दीपक शर्मा (जिला अध्यक्ष, विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ)उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगा। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोषियों को कड़ी सजा मिलनी जरूरी है। प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग स्थानीय लोगों और विभिन्न संगठनों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि वायरल वीडियो का तुरंत संज्ञान लेकर आरोपियों की पहचान की जाए और उनके खिलाफ आईटी एक्ट व अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। वायरल वीडियो ने क्षेत्र में संवेदनशील माहौल पैदा कर दिया है। अब सबकी नजरें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं कि आखिर कब तक इस मामले में सख्त कदम उठाए जाते हैं।

नजीबाबाद में गैस आपूर्ति व्यवस्था चरमराई, खुर्शीद मंसूरी ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

नजीबाबाद। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में इंडेन गैस की आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर साहनपुर चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने उपजिलाधिकारी (रउद्ब) नजीबाबाद को ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने बताया कि नजीबाबाद क्षेत्र की गैस एजेंसी पर वर्तमान में लगभग 38,000 से अधिक कनेक्शन हैं, जो एजेंसी की क्षमता से कहीं ज्यादा हैं। अत्यधिक दबाव के चलते उपभोक्ताओं को समय पर गैस रिफिल नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि होम डिलीवरी व्यवस्था भी ठप पड़ी है, जिसके कारण महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों को घंटों तक गोदामों पर लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि क्षेत्र में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी हो रही है और उपभोक्ताओं से निर्धारित मूल्य से अधिक अवैध वसूली की जा रही है। चेयरमैन ने मांग की है कि गैस वितरण के दौरान ओटीपी (डळढ) सत्यापन अनिवार्य किया जाए और कालाबाजारी में शामिल एजेंसी संचालकों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए 12 सूत्रीय मांग पत्र में कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए हैं। इनमें नई गैस एजेंसी खोलने, भविष्य में किसी भी एजेंसी को 10,000 से अधिक कनेक्शन न देने, गैस गोदामों पर उपभोक्ताओं के लिए शेड, पीने के पानी, बैठने की व्यवस्था और शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग शामिल है। इसके अलावा गैस वितरण में पारदर्शिता के लिए टोकन व्यवस्था लागू करने, लाभार्थियों की सूची सार्वजनिक करने तथा एजेंसी व गोदाम पर सीसीटीवी कैमरे और शिकायत रजिस्टर लगाने की भी मांग की गई है। अंत में चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द ही गैस आपूर्ति में सुधार और नई एजेंसी के आवंटन की प्रक्रिया शुरू नहीं की, तो जनता का आक्रोश सड़कों पर उतर सकता है।

शिक्षा के फलक पर नूरपुर की दीप्ति त्यागी का उदय: हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में 92% अंक पाकर रचा कीर्तिमान

दैनिक बुलंद मंजिल गुलफाम राजा

नूरपुर। मेहनत और मजबूत इरादों से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है, इसे सच कर दिखाया है रूट्स इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा दीप्ति त्यागी ने। शैक्षिक सत्र 2025-26 की 10वीं की बोर्ड परीक्षा के परिणामों में दीप्ति ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी मेधा का परचम लहराया है। इस शानदार सफलता के बाद दीप्ति के घर और स्कूल में खुशी का माहौल है। अभी तो असली उड़ान बाकी है, परिंदे का इम्तिहान बाकी है, अभी-अभी लांघा है समुद्रों को, अभी तो पूरा आसमान बाकी है। सीए बनकर देश की सेवा करना चाहती हैं फार्मासिस्ट मनोज त्यागी की सुपुत्री दीप्ति के पिता मनोज त्यागी, जो नूरपुर सीएचसी में फार्मासिस्ट के तौर पर कार्यरत हैं, अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर गदगद हैं। दीप्ति ने अपनी इस सफलता का मुख्य आधार माता-पिता के निरंतर प्रोत्साहन और स्कूल स्टाफ के बेहतरीन मार्गदर्शन को बताया। होनहार छात्रा दीप्ति का लक्ष्य अब चार्टर्ड अकाउंटेंट (उअ) बनकर प्रोफेशनल क्षेत्र में अपना करियर बनाने का है। गणमान्य लोगों ने बढ़ाया उत्साहः डॉ. कुलदीप सिंह और पत्रकार शादाब ने दी बधाई दीप्ति की इस बड़ी सफलता पर क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तित्वों ने खुशी जाहिर की है। डॉ. कुलदीप सिंह, मामा विकास त्यागी और पत्रकार शादाब ने छात्रा के घर पहुँचकर (या संदेश के माध्यम से) अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। डॉ. कुलदीप सिंह ने कहा कि ग्रामीण परिवेश की बेटियों का यह प्रदर्शन समाज में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। पत्रकार शादाब ने छात्रा के संघर्ष और लगन की सराहना करते हुए उसके सफल जीवन की मंगलकामना की। ?सीएचसी नूरपुर के कर्मचारियों और विद्यालय प्रशासन ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि दीप्ति जैसी छात्राएं पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। हवाओं के भरोसे मत उड़, चट्टानें तूफानों का रुख मोड़ देती हैं, अपने पंखों पर भरोसा रख, हवाओं के भरोसे तो पतंगें उड़ा करती हैं।

मिशन शक्ति अभियान की दस्तक गांव-गांव : रेहरा में पुलिस ने महिलाओं को किया जागरूक, सुरक्षा व अधिकारों का दिया संदेश

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर /हीमपुर दीपा। थाना हीमपुर दीपा क्षेत्र के ग्राम रेहरा में मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत एक प्रभावी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। 16 अप्रैल 2026 को आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को एकत्र कर उन्हें सुरक्षा, अधिकारों और सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। पुलिस टीम ने संभाली कमान कार्यक्रम में हेड कांस्टेबल अमित वर्मा, महिला कांस्टेबल रेनू राठी और कांस्टेबल राजकुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने महिलाओं को बाल विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ जागरूक करते हुए समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। हेल्पलाइन नंबरों की दी अहम जानकारी कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को 181 महिला हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर लाइन, 112 आपातकालीन सेवा, 102 स्वास्थ्य सेवा, 108 एंबुलेंस, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन और 1930 साइबर हेल्पलाइन सहित विभिन्न सेवाओं की जानकारी विस्तार से दी गई। घरेलू हिंसा व छेड़छाड़ के खिलाफ आवाज उठाने की अपील पुलिस टीम ने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा, छेड़छाड़ या उत्पीड़न की स्थिति में चुप न रहें, बल्कि तुरंत शिकायत दर्ज कराएं और सहायता प्राप्त करें। साइबर अपराध पर भी दी चेतावनी डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर भी महिलाओं को सतर्क किया गया। उन्हें सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, फर्जी कॉल और अश्लील मैसेज से बचाव के उपाय बताए गए तथा किसी भी घटना की स्थिति में तत्काल कार्रवाई के लिए प्रेरित किया गया। महिलाओं की समस्याएं भी सुनी गईं कार्यक्रम के दौरान महिलाओं की व्यक्तिगत समस्याओं को भी सुना गया और उनके समाधान के लिए उचित मार्गदर्शन दिया गया। मिशन शक्ति अभियान के तहत यह पहल महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है, जिससे वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर समाज में सुरक्षित वातावरण बना सकें।

स्योहारा में स्मार्ट मीटर के खिलाफ महिलाओं का फूटा गुस्सा, बिजली घर पर किया हंगामा

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

स्योहारा। जानकारी के अनुसार स्मार्ट मीटर को लेकर महिलाओं का आक्रोश खुलकर सामने आ गया। भारी संख्या में महिलाएं स्थानीय बिजली घर पहुंचीं और जोरदार प्रदर्शन करते हुए जमकर हंगामा किया।प्रदर्शन कर रही महिलाओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से उनके बिजली बिलों में बेतहाशा वृद्धि हो गई है। साथ ही प्रीपेड (रिचार्ज) सिस्टम के कारण उन्हें बार-बार रिचार्ज कराना पड़ता है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ रहा है और मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ रही है।हंगामा बढ़ता देख बिजली विभाग के अधिकारी मौके से हट गए, जिससे महिलाओं का गुस्सा और बढ़ गया। हालात बिगड़ते देख पुलिस को मौके पर पहुंचना पड़ा और स्थिति को संभालने का प्रयास किया गया।महिलाओं ने प्रशासन के सामने अपनी मांगें रखते हुए कहा कि नए लगाए गए स्मार्ट मीटर तुरंत हटाए जाएं और प्रीपेड बिजली व्यवस्था को बंद किया जाए।

हर दर्द की पहली पुकार पुलिस अब पुलिस के दर्द को भी समझे समाज

बिजनौर एसपी अभिषेक झा की अपील—जनता का सहयोग ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। समाज की हर हलचल, हर दर्द और हर संकट के बीच अगर कोई एक नाम सबसे पहले उभरता है, तो वह है–पुलिस। यह इस देश की सबसे बड़ी सच्चाई भी है और सबसे बड़ा विरोधाभास भी। सोना चोरी हो जाए, गाड़ी गायब हो जाए, मेहनत की कमाई लुट जाए या किसी बच्चे-बेटी का अपहरण हो जाए–हर बार पहला फोन पुलिस को ही जाता है। सड़क पर हादसा हो, कोई जहर खा ले, आत्महत्या जैसी दर्दनाक घटना सामने आए या कहीं आग लग जाए–हर बार उम्मीद की आखिरी डोर पुलिस ही होती है, जो बिना समय देखे, बिना परिस्थिति तौले मौके पर पहुंचती है। त्योहारों की चकाचौंध में भी यह सच्चाई छिप नहीं पाती कि जब पूरा देश दिवाली, होली, ईद और दशहरा मना रहा होता है, तब वही पुलिस सड़कों पर खड़ी होकर हमारी खुशियों की सुरक्षा कर रही होती है। जब चुनाव होते हैं, भीड़ उमड़ती है या आंदोलन होते हैं–हर बार व्यवस्था की डोर उसी के हाथ में

होती है। बलात्कार जैसे जघन्य अपराध हों, हत्या जैसे संगीन मामले, झगड़े, जातीय तनाव, बाढ़, जंगली जानवरों का हमला या बैंक, परीक्षा और मतदान जैसी जिम्मेदारियां–हर स्थिति में पुलिस सबसे आगे खड़ी दिखाई देती है। एसपी अभिषेक झा का बयान इस संदर्भ में बिजनौर के पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने कहा कि ह्रपुलिस हमेशा जनता की सुरक्षा और सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। सीमित संसाधनों और लगातार ड्यूटी के बावजूद हमारे जवान पूरी निष्ठा के साथ काम करते हैं। समाज का सहयोग और समझ पुलिस के लिए बहुत जरूरी है। विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों के बयान प्रशांत तोमर (प्रदेश उपाध्यक्ष, विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ) उन्होंने कहा कि पुलिस समाज की रीढ़ है, जो हर परिस्थिति में लोगों की सुरक्षा के लिए खड़ी रहती है। ऐसे में समाज का भी कर्तव्य है कि वह पुलिस के त्याग और समर्पण को समझे और उनका सम्मान करे। स्वाति तोमर (प्रदेश उपाध्यक्ष, विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ) उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी दिन-रात बिना रुके काम करते हैं, लेकिन उन्हें अक्सर वह सम्मान नहीं मिल पाता जिसके वे हकदार हैं। समाज को उनके प्रति संवेदनशील होना चाहिए। नागेन्द्र सिंह राजपूत (प्रदेश मंत्री, विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ एवं चैनल इन चीफ, सिटी न्यूज आल इंडिया / वरिष्ठ पत्रकार) न्होंने कहा कि पुलिस केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने वाली संस्था नहीं, बल्कि समाज की सुरक्षा की सबसे मजबूत दीवार है। उनके त्याग और संघर्ष को नजरअंदाज करना समाज के लिए उचित नहीं है। दीपक शर्मा (जिला अध्यक्ष, विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ) न्होंने कहा कि पुलिस के बिना समाज की कल्पना करना संभव नहीं है। उन्होंने आमजन से अपील की कि पुलिस के साथ सहयोग करें और उनके कार्यों की सराहना करें। पुलिस का दूसरा पहलू–संघर्ष और त्याग जिस पुलिस को हम हर मुसीबत में याद करते हैं, क्या हमने कभी सोचा कि उसके हिस्से में क्या आता है? जब हम त्योहार मनाते हैं, तब वही पुलिस अपने परिवार से दूर ड्यूटी निभा रही होती है। 24 घंटे की ड्यूटी, मानसिक तनाव, शारीरिक थकान और हर पल खतरा–यह सब उसकी जिंदगी का हिस्सा है। समाज से अपील जरूरत केवल व्यवस्था बनाए रखने की नहीं, बल्कि उस व्यवस्था को संभालने वालों के प्रति नजरिया बदलने की है। सम्मान, सहयोग और संवेदनशीलता–यही तीन शब्द उस वर्दी के पीछे छिपे इंसान को उसका हक दिला सकते हैं। जब तक पुलिस मजबूत है, तब तक समाज सुरक्षित है ह्र और जब समाज पुलिस के प्रति संवेदनशील होगा, तभी यह सुरक्षा वास्तव में सार्थक बन पाएगी।

शोक समाचार : वरिष्ठ पत्रकार आदिल इरफान के नाना का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। दैनिक हिन्दी समाचार पत्र दैनिक बुलंद मंजिल के जिला प्रभारी आदिल इरफान के नाना जी के इंतकाल की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। इस दुखद समाचार से परिजनों, मित्रों, पत्रकारों और शुभचिंतकों में गहरा दुःख व्याप्त है। हर कोई दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहा है। नागेन्द्र सिंह राजपूत ने जताई गहरी संवेदना विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री एवं चैनल इन चीफ सिटी न्यूज ऑल इंडिया के वरिष्ठ पत्रकार नागेन्द्र सिंह राजपूत ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि, ह्रयह एक अपूरणीय क्षति है। इस दुख की घड़ी में हम आदिल इरफान और उनके परिवार के साथ खड़े हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवार को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। प्रशांत तोमर ने दी श्रद्धांजलि विश्व हिन्दू महासंघ

गौ रक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रशांत तोमर ने कहा कि, ह्रपरिवार के एक वरिष्ठ सदस्य का इस तरह चले जाना अत्यंत दुखद है। हम सभी इस कठिन समय में परिवार के साथ हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। स्वाति तोमर ने जताया दुख प्रदेश उपाध्यक्ष स्वाति तोमर ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि, ह्रयह क्षति केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वह शोक संतप्त परिवार को धैर्य और संबल प्रदान करें। दीपक शर्मा ने भी दी श्रद्धांजलि विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि, ह्रदिवंगत आत्मा के निधन से हम सभी व्यथित हैं। इस दुख की घड़ी में पूरा संगठन परिवार के साथ खड़ा है। ईश्वर उन्हें अपने चरणों में स्थान दें। पत्रकार जगत में शोक की लहर इस दुखद घटना पर समस्त पत्रकार जगत और क्षेत्रवासियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। सभी ने एक स्वर में कहा कि ईश्वर परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

चांदपुर में गूंजा शिक्षकों का मुद्दा: MLC डॉ. हरि सिंह ढिल्लों ने हेजलमून स्कूल में दिया समाधान का भरोसा

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। चांदपुर स्थित द हेजलमून स्कूल में उस समय उत्साह का माहौल बन गया जब एमएलसी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों का गरिमामय आगमन हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान की दिशा में सार्थक संवाद स्थापित करना रहा। भव्य स्वागत से गूंजा विद्यालय परिसर विद्यालय पहुंचने पर डॉ. हरि सिंह ढिल्लों का फूलमालाओं और पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर उनके साथ उनके बड़े भाई प्रधान सेवा सिंह, शिव कुमार (प्रबंधक, एस.के.एम. पब्लिक इंटर कॉलेज, मंझोला गुर्जर), हरवीर सिंह (प्रिंसिपल एवं मैनेजर, लोकप्रिय इंटर कॉलेज, केलनपुर) और टीकम सिंह (प्रिंसिपल, विवेक इंटर कॉलेज, दरवाड़ा) समेत कई

गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। शिक्षकों की समस्याओं पर खुलकर संवाद अपने संबोधन में डॉ. ढिल्लों ने शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कहा कि वे इन मुद्दों को पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष रख चुके हैं और उनके शीघ्र समाधान के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। मतदान के प्रति किया जागरूक उन्होंने शिक्षकों से आगामी एमएलसी चुनाव में अपने मत का प्रयोग करने और जागरूक नागरिक बनने का आह्वान किया। सकारात्मक सोच का दिया संदेश डॉ. ढिल्लों ने कहा कि आत्म-सम्मान और सकारात्मक सोच जीवन में सफलता की कुंजी है। उन्होंने शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं। संस्थापक और प्रबंधन का समर्थन विद्यालय के संस्थापक अरविंद कुमार (पप्पू चेयरमैन) ने डॉ. ढिल्लों को कर्मठ और ईमानदार नेता बताते हुए कहा कि उनका नेतृत्व शिक्षकों के हितों के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी शिक्षकों से उनके समर्थन में सहयोग करने की अपील की। विद्यालय की निर्देशिका श्रीमती शक्ति अनिरुद्ध मित्तल ने भी शिक्षकों से डॉ. ढिल्लों के पक्ष में मतदान करने का अनुरोध किया। प्रधानाचार्या ने जताया आभार प्रधानाचार्या श्रीमती गरिमा सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम शिक्षकों की समस्याओं को समझने और उनके समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक और गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने इसे सकारात्मक और उपयोगी पहल बताया।

नाबालिग से दुष्कर्म प्रकरण में तीसरा आरोपी गिरफ्तार चांदपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पहले ही दो आरोपी जा चुके हैं जेल, तीसरे की गिरफ्तारी से केस में नया मोड

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । थाना चांदपुर क्षेत्र में नाबालिग युवती के साथ हुए गंभीर अपराध के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई से पुलिस की जांच को मजबूती मिली है और पीड़िता को न्याय दिलाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 05 मार्च 2026 को थाना चांदपुर में वादी द्वारा तहरीर दी गई थी कि अभियुक्त दानिश पुत्र शकील निवासी मोहल्ला सराय रफी, कस्बा व थाना चांदपुर जनपद बिजनौर उसकी बहन को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। रास्ते में सीसीटीवी कैमरों के चलते उसने युवती को कुछ दूरी तक अकेले जाने के लिए कहा। इसी दौरान अभियुक्त फैसल पुत्र गफ्फार

निवासी सराय रफी थाना चांदपुर व उसके दो अज्ञात साथियों ने युवती को रास्ते में रोक लिया। आरोप है कि फैसल ने युवती को अपने साथ ले जाकर उसके साथ मारपीट की और उसके साथ गलत कृत्य किया। साथ ही किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। इतना ही नहीं, जब इस घटना की जानकारी दानिश के परिजनों को दी गई, तो उन्होंने भी वादी को धमकाया। इस गंभीर मामले में थाना चांदपुर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुकदमा संख्या 109/2026 धारा 87, 126(2), 115(2), 70(1), 351(3) बीएनएस व 5/6 पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया था। पहले दो आरोपी भेजे जा चुके हैं जेल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूर्व में दिनांक 07 मार्च 2026 को मुख्य आरोपी दानिश व फैसल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार मामले की विवेचना के दौरान एक और आरोपी मोहम्मद ताहिर पुत्र मोहम्मद शाकिर निवासी फीना कॉलोनी, सराय रफी थाना चांदपुर जनपद बिजनौर का नाम सामने आया। थाना चांदपुर पुलिस ने आज दिनांक 16 अप्रैल 2026 को उसे भी गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक राहुल सिंह, थाना चांदपुर, जनपद बिजनौर कांस्टेबल आदित्य मलिक, थाना चांदपुर, जनपद बिजनौर आगे की कार्रवाई जारी पुलिस द्वारा बताया गया है कि मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई जारी है तथा शेष आरोपियों की तलाश भी की जा रही है। चांदपुर पुलिस की इस कार्रवाई को एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत है और जल्द ही मामले में और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

गुलदार के हमले से दहशत: अजूपुरा में बाल-बाल बचे बच्चे, पीड़ित परिवार से मिले रालोद नेता अशोक चौधरी

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर/ हीमपुर दीपा। थाना हीमपुर दीपा क्षेत्र के ग्राम अजूपुरा में गुलदार के हमले से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। दो दिन पूर्व हुए इस हमले में सतवीर सिंह के पुत्र और धर्मवीर सिंह के भतीजे बाल-बाल बच गए, जिससे गांव के लोग सहमे हुए हैं। गुलदार के हमले से सहमे ग्रामीण घटना के बाद से गांव में भय का वातावरण बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार गुलदार की आवाजाही देखी जा रही है, जिससे बच्चों और पशुओं की सुरक्षा को लेकर

चिंता बढ़ गई है। पीड़ित परिवार से मिले अशोक चौधरीघटना की सूचना मिलने पर राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव अशोक चौधरी अपने साथियों के साथ पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने परिवार का हालचाल जाना और हर संभव मदद का भरोसा दिया। प्रशासन से की सख्त मांग अशोक चौधरी ने प्रशासन से क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग करते हुए कहा कि वन विभाग की टीम को तत्काल सक्रिय किया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि गुलदार को जल्द पकड़कर जंगल में छोड़ा जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। ग्रामीणों में बढ़ी चिंता लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। अब सबकी नजर प्रशासन और वन विभाग की कार्रवाई पर टिकी है कि कब तक इस खतरे से ग्रामीणों को राहत मिलती है।

जिला विकास अधिकारी रचना गुप्ता की ईमानदारी के किस्से बिजनौर से लखनऊ तक

दैनिक बुलंद मंजिल ब्यूरो चीफ बिजनौर

बिजनौर। बिजनौर जिले में जिला विकास अधिकारी रचना गुप्ता इन दिनों अपनी सख्त कार्यशैली, निष्पक्ष निर्णय और ईमानदार छवि को लेकर जिला मुख्यालय से लेकर प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक खूब चर्चाओं में हैं। प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने जिस प्रकार की कार्यप्रणाली अपनाई है, उससे पूरे विभाग में एक नई कार्यसंस्कृति स्थापित करने का काम किया है। सुश्री गुप्ता ने पदभार संभालने के बाद से ही स्पष्ट संकेत दे दिए थे कि सरकारी योजनाओं में किसी भी

प्रकार की लापरवाही, अनियमितता या भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी दिशा में उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों की गहन जांच करवाई। जांच के दौरान कई योजनाओं में खामियां और अनियमितताएं उजागर हुईं, तो उन्होंने बिना किसी दबाव के दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित कराई। उनकी इस सख्ती से जहां आम जनता में प्रशासन के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है, वहीं विभागीय कर्मचारियों में भी जिम्मेदारी और अनुशासन का माहौल बना है। हालांकि, उनकी कार्यशैली को लेकर विभाग में हड़कंप मचा है। आमजन उन्हें एक ईमानदार, कर्मठ और निर्भीक तेजतर्रार तथा अपने कर्तव्य के प्रति सजग अधिकारी के रूप में जान रहें हैं तो वहीं कुछ असंतुष्ट तत्व उनके खिलाफ नकारात्मक माहौल बनाने और षड्यंत्र रचने में लगे हुए। लेकिन बावजूद इसके रचना गुप्ता अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और बिना भेद-भाव तथा बिना किसी दबाव के कार्य करने में जुटीं हुईं है। इस सम्बंध में जब उनसे बात की गई तो उनका कहना था कि, ह्रसत्य को कुछ समय के लिए छुपाया जा सकता है, लेकिन अंत में जीत हमेशा सच्चाई और सत्य की ही होती है। मेरा उद्देश्य केवल जनहित में पारदर्शी और ईमानदारी से कार्य करना है।

एक माह बाद भी नहीं सुधरी गैस आपूर्ति, 45 दिन में भी नहीं मिल रहे सिलेंडर

दैनिक बुलंद मंजिल गुलफाम राजा

नूरपुर। नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में रसोई गैस का संकट एक माह बाद भी जस का तस बना हुआ है। इंडेन गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बाधित होने से उपभोक्ताओं की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। स्थिति यह है कि सिलेंडर बुक कराने के बाद भी उपभोक्ताओं को दो से तीन सप्ताह तक डीएसी (डिलीवरी) नंबर नहीं मिल पा रहा, जिससे लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। नूरपुर स्थित इंडेन गैस

एजेंसी पर प्रतिदिन उपभोक्ताओं की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। सुबह से ही लोग एजेंसी के बाहर कतारों में खड़े हो जाते हैं, लेकिन पर्याप्त आपूर्ति न होने के कारण अधिकांश को खाली हाथ लौटना पड़ता है। गैस की कमी के चलते कई परिवारों को मजबूरन लकड़ी, कोयला या अन्य वैकल्पिक साधनों से खाना बनाना पड़ रहा है। विभाग द्वारा उपभोक्ताओं को 45 दिन के भीतर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन जमीनी स्तर पर यह दावा पूरी तरह खोखला साबित हो रहा है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि विभाग केवल आश्वासन देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहा है, जबकि समस्या लगातार बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गैस आपूर्ति को जल्द से जल्द सुचारू किया जाए, ताकि आमजन को इस संकट से राहत मिल सके। वहीं, जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं और समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की मांग तेज हो गई है।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम में अक्ष इंटरनेशनल स्कूल का शानदार प्रदर्शन

दैनिक बुलंद मंजिल गुलफाम राजा

नूरपुर। अक्ष इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने इस वर्ष घोषित सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस उपलब्धि ने एक बार फिर विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुशासन को प्रमाणित किया है। कक्षा 10वीं के परिणामों में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उल्लेखनीय अंक प्राप्त किए। हिमांक राणा ने 95% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं गौरवी शर्मा ने 89.9% और आयुष कुमार ने 88% अंक प्राप्त कर श्रेष्ठ

प्रदर्शन किया। विद्यालय का समग्र परीक्षा परिणाम अत्यंत संतोषजनक रहा तथा अधिकांश विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की। यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय प्रबंधन एवं प्रधानाचार्य ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि निरंतर प्रयास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सकारात्मक वातावरण का प्रतिफल है। विद्यालय भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देने के लिए प्रतिबद्ध है तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

Nari Shakti Vandan Adhiniyam: A Historic Step Towards an Empowered India

Suman Saini
Vice Chairperson, Haryana State Council for Child Welfare

The role of women in India has been significant for centuries; however, continuous efforts have been undertaken to secure for them a position of equality across social, economic, and political spheres. In this very direction, the Nari Shakti Vandan Adhiniyam (Women's Power Salutation Act) has emerged as a historic and visionary initiative. This Act not only grants women political representation but also provides them with the opportunity to participate actively in the decision-making process.

Under the able leadership of Prime Minister Narendra Modi, the Central Government has prioritized women's empowerment, implementing numerous schemes and policies aimed at making women self-reliant and empowered. The primary objective of the Nari Shakti Vandan Adhiniyam is to ensure greater participation of women in politics. Under this Act, a provision has been made for a 33 percent reservation for women in the Lok Sabha and the State Legislative Assemblies.

This Act renders India's democratic framework even more inclusive, ensuring that women's voices are accorded equal importance. It will provide women with the opportunity to participate in policy formulation and administrative decision-making. The Act does not merely grant women representation; rather, it inspires them to assume leadership roles.

Prime Minister Modi has articulated on various platforms that "Nari Shakti" (Women's Power) constitutes the bedrock of India's progress. He firmly believes that the nation will achieve rapid development only when its women are empowered. Under his leadership, the government has worked towards transforming women from mere "beneficiaries" into "creators." In other words, women are no longer merely recipients of benefits from government schemes; they are now becoming active partners in the nation's development.

Under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, the Central Government has prioritized women's empowerment, implementing numerous schemes and policies aimed at making women self-reliant and empowered.

The objective of the 'Beti Bachao, Beti Padhao' (Save the Daughter, Educate the Daughter) scheme is to improve the girl child birth ratio and to promote girls' education. This initiative has fostered a positive societal mindset towards daughters. Under the 'Har Ghar-Har Grihini' (Every Home, Every Homemaker) scheme, free gas connections were provided to underprivileged women, thereby liberating them from the hazards of indoor smoke and leading to an improvement in their health. Through the Jan Dhan Yojana, bank accounts were opened for women, thereby empowering them economically and fostering financial inclusion.

Under the Pradhan Mantri Matru Vandana Yojana, pregnant women have been provided with financial assistance to ensure their health and nutritional well-being. The Sukanya Samriddhi Yojana was launched to secure the future of girl children, facilitating savings for their education and marriage. Under the Swachh Bharat Mission, the Modi government's initiative to construct toilets has significantly enhanced the dignity and safety of women. By promoting women's Self-Help Groups, opportunities for self-employment have been extended to them. Through the Digital India campaign, women were connected to digital platforms, enabling them to access and benefit from online services.

Regarding women's increasing participation in politics, the enactment of the Nari Shakti Vandan Adhiniyam is poised to bring about a transformative shift in women's political engagement. The number of women in Parliament and State Legislative Assemblies will rise, and female leaders will gain access to new opportunities. Women's perspectives will be integrated into the policy-making process. This initiative by the Modi government will further strengthen Indian democracy.

This Act is not merely a political reform; it also serves as a catalyst for social change. It will transform societal attitudes toward women and inspire girls to aspire to greater heights. It represents a pivotal initiative aimed at ensuring equal rights and opportunities for women.

The most significant benefit of implementing this Act will be a profound shift in governance priorities. When women's participation in decision-making processes increases, issues such as education, health, nutrition, safety, water, and sanitation naturally assume greater priority. The experience of reserving seats for women in local self-government bodies has already demonstrated that female representation leads to the formulation of policies that are more people-centric and effective. This same impact will now be witnessed at the parliamentary and legislative assembly levels, thereby steering the trajectory of development toward a more balanced and inclusive path.

The groundwork for this transformation has been laid over the past decade. Under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, women's empowerment has been approached through a comprehensive, life-cycle-based perspective. The 'Beti Bachao, Beti Padhao' (Save the Daughter, Educate the Daughter) campaign has brought about a positive shift in societal mindset, resulting in the secondary-level school enrollment rate for girls reaching 80.2 percent. Under the Sukanya Samriddhi Yojana, over 46 million accounts have been opened, providing financial security for the future of daughters. The continuous rise in women's participation in higher education and technical fields presents a clear picture of this transformation.

The measures undertaken by Prime Minister Narendra Modi and his government for the empowerment of women are playing a pivotal role in the nation's development. Today's woman is no longer confined solely to the domestic sphere; rather, she is carving out her own identity in every field. The Nari Shakti Vandan Adhiniyam will further accelerate this transformation and play a crucial role in shaping India into an empowered, inclusive, and progressive nation.

"Only when women are empowered will the nation be empowered"—this is the core message of this Act.

Andhra Pradesh: Impending Maoist Collapse

Deepak Kumar Nayak
Research Associate, Institute for Conflict Management

On March 30, 2026, Andhra Pradesh Director General of Police (DGP) Harish Kumar Gupta declared that the state was free of the Communist Party of India-Maoist (CPI-Maoist), a day before the Centre's deadline, March 31, 2026. Addressing reporters at the Vijayawada Police Command and Control Centre, the DGP observed: Over the past 18 months, a total of 18 Maoists were killed in exchange-of-fire incidents across Andhra Pradesh. These include Central Committee members Madvi Hidma, Gajarla Ravi (alias Uday) and Metturi Jogarao (alias Tech Shankar') as well as AOB Special Zonal Committee members Venkata Ravi Chaitanya (alias 'Aruna'), Kakuri Pandanna (alias 'Jagan') and Madakam Raje. We have also arrested 81 others, while another 106 individuals have surrendered. We have recovered a total of 120 weapons, and are continuing our efforts to locate additional weapon dumps. The SIB [Special Intelligence Branch], Greyhounds, Intelligence Department and district police personnel have performed commendably in efforts to eradicate Left-Wing Extremism. Cash rewards will be provided to surrendered Maoists as per established norms. We will also ensure that they benefit from various government welfare schemes. According to partial data collated by the South Asia Terrorism Portal (SATP), 2025 recorded a total of 18 Left Wing Extremism (LWE)-linked incidents, as against 12 in 2024. Such incidents had been on a declining trend since 2018, falling from 37 in that year to 30 in 2019, 19 in 2020, 15 in 2021, 14 in 2022, and 12 each in 2023 and 2024. The increase in 2025 was linked to intensified Security Force (SF) operations in the run-up to the March 31, 2026, deadline for the eradication of Maoism in the state and across the country. Similarly, incidents of killing have also been falling since 2020. There were seven incidents of killing in 2019, down to four in 2020, two in 2021 and one each in 2022, 2023 and 2024. Marking an increase in 2025, four incidents of killing have been recorded in the State. Overall fatalities have also been declining since 2020, with an exception in 2021. There were 14 fatalities in 2019, which dropped to five in 2020, increased to seven in 2021, and again down to one each in 2022, 2023 and 2024. 18 fatalities were recorded in 2025. A maximum of 204 incidents of killing and 317 fatalities were recorded in 2005. Moreover, civilian fatalities dropped from five in 2019 to four in 2020 and have since remained at one each in the subsequent four years (2021-2024). No civilian fatality was recorded in 2025. The last Security Force (SF) fatality in the state was reported on May 5, 2017, when a Home Guard, Sheikh Valli, was killed in a landmine blast triggered by CPI-Maoist cadres on the Lothugedda Junction-Balapam Stretch, while returning from the Central Reserve Police Force (CRPF) outpost at Rallagedda in Visakhapatnam District. By contrast, Maoist fatalities rose to 18 in 2025. One of the last major incidents (involving three or more fatalities) involving Maoist casualties occurred on June 16, 2016, when six Maoists were killed in an exchange of fire with Greyhounds of the Andhra Pradesh Police in the Theegalametta Forest area of Koyyuru Mandal administrative sub-division), under Mampa Police Station limits in Visakhapatnam District. Meanwhile, at least 58 Maoists (LWE cadres) were arrested in 2025, as against none in 2024, while five arrests each were recorded in 2022 and 2021. Under mounting SF pressure, at least 38 Maoists surrendered in 2025, in addition to 45 such surrenders in 2024. At least 17 Maoists have already surrendered in the current year (data till April 12, 2026), according to the SATP database. Other indicators of violence also suggest a near-complete halt in Maoist activity in the state. The Maoists have not carried out any major attacks against civilians or SFs in recent years. The last major incident in the civilian category was recorded on February 19, 2023, when three tribals were killed by CPI-Maoist cadres in the Lakkavaram Forest area of G.K. Veedhi Mandal in Visakhapatnam District. In the SF category, the last such major incident dates back to December 25, 2005, when four Railway Protection Force (RPF) personnel escorting a cash box on a Raigarh (Odisha)-bound passenger train were killed and five were injured in a Maoist attack at the Koneru Railway Station in Vizianagaram District. The State has not recorded any incident of explosion since 2021. The last incident of explosion was recorded on August 3, 2020, in which two civilians were killed. The Maoists have not issued any bandh (shut down strike) call since 2022; there was one such call in 2021. On April 26, 2021, the Maoists had given a call for Bharat Bandh in protest against alleged harassment and torture of innocent people, especially tribals, social activists and civil rights activists, by SFs. Since the beginning of 2026, Andhra Pradesh has not recorded any fatalities across any category, as of April 12, 2026. Maoists have not carried out any incidents of explosion or arson in the State. No exchange of fire between SFs and Maoists has been reported, nor have Maoists have not issued any bandh (shutdown strike) call in the State. No arrests of Maoists have been recorded. However, at least 17 Maoists have surrendered before the Police (data till April 12, 2026). It is useful to note that, since March 6, 2000, when SAT began compiling data on LWE, a high of 507 LWE-linked incidents was recorded in Andhra Pradesh in 2005, the year in which the highest civilian fatalities, at 132, were also reported. The highest number of SF fatalities was recorded in 2001, at 41, while Naxalite fatalities peaked in 2003, at 165. An analysis of overground and underground Maoist activities in Andhra Pradesh confirms their declining impact in the state. According to the SATP database, Maoist activity was reported from only one district in 2025 (out of a total of 26 districts in the state), with Alluri Sitarama Raju District in the 'moderately affected' category. In 2024, Maoist activity was reported from four districts. Of these, only Kurnool District fell in the 'moderately affected' category, while the remaining three - Alluri Sitarama Raju, Parvathipuram Manyam, and Visakhapatnam - were classified as 'marginally affected'. Significantly, on November 19, 2025, Special Intelligence Branch (SIB) Chief and Additional Director General of Police (ADGP) Mahesh Chandra Laddha stated that the Andhra Pradesh Police was working intensively to make the state free of CPI-Maoist and other extremist elements by March 2026. His statement followed two major exchange-of-fire incidents on November 18 and 19 in Alluri Sitarama Raju District, in which 13 Maoists, including senior cadres, were killed. Addressing the media, Laddha noted that around 50 Maoists of various ranks from Chhattisgarh and Telangana had recently entered Andhra Pradesh seeking shelter. In response, coordinated intelligence-led operations led to the arrest of more than 50 Maoists across Krishna, Eluru, NTR, Konaseema, Alluri Sitarama Raju, and Kakinada districts. He further disclosed that six Maoists, including Central Committee Member (CCM) Madvi Hidma alias Santosh, were killed in an encounter near Uttaluru in Maredumilli Mandal, and a substantial cache of weapons, ammunition, and other materials was recovered during post-encounter searches. Terming the operations as among the most comprehensive in recent years, Laddha emphasized their intelligence-driven character. Early 2026, including the period after the March 31, 2026 deadline, has remained largely incident-free, reflecting sustained SF dominance. Notwithstanding the Maoists' impending downfall in the state, the Andhra Pradesh Police continue to face critical shortages in capacity and deployment. According to the latest Bureau of Police Research and Development (BPR&D) data, as of January 1, 2024, the Andhra Pradesh Police had a strength of 88,514 personnel, against a sanctioned strength of 110,186, resulting in a deficit of 19.66 per cent. The police-area ratio (number of policemen per 100 square kilometres) in Andhra Pradesh was just 54.33, compared to the national average of 65.78. Both the state and national averages for the police-area ratio were well below sanctioned levels, at 67.63 and 83.81, respectively. The police-population ratio (police personnel per 100,000 population) in the state was 166.18, as against a sanctioned level of 206.87. Moreover, the sanctioned strength of Indian Police Service (IPS) officers in the state was 144, but only 131 officers were in position, reflecting a deficit of 9.02 percent, weakening executive supervision of the force. Andhra Pradesh stands at a critical juncture in its counter-insurgency trajectory, with the near-eradication of Maoist influence marking the culmination of decades of coordinated security and developmental efforts. The decisive unravelling of Maoism in 2025 - reflected in surrenders eclipsing violence and SFs re-establishing control over core forested strongholds- set the stage for the March 31, 2026, Maoist-free deadline articulated by DGP Harish Kumar Gupta. With the deadline now past, this trajectory of decline has been sustained, though residual risks persist. The pre-emption of a spillover from neighbouring theatres and the resolution of enduring socio-economic deficits remain critical to consolidating these gains. The sustained reintegration of surrendered cadres, alongside accelerated development in tribal regions, will be central to securing durable and irreversible peace.

नाव हादसे में लापता 16वें श्रद्धालु का शव बरामद

घटना के सातवें दिन पनीगांव पुल के पास बरामद हुआ पंकज मल्होत्रा का शव

बुलंद मंजिल / जाहिर आलम

वृंदावन। केसीघाट के समीप नाव पलटने से हुए हादसे में अंतिम लापता श्रद्धालु का शव भी यमुना नदी से बरामद हो गया है। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या अब 16 हो गई है। वही प्रशासन द्वारा हादसे की मजिस्ट्रीयल जांच के आदेश के बाद साक्ष्य एकत्रित करना शुरू कर दिया है।

बताते चलें कि 10 अप्रेल को केसीघाट के समीप पंजाब के श्रद्धालुओं से भरी नाव पलट जाने से हुए हादसे में 16 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे के बाद राहत व बचाव कार्य में जुटीं टीमों द्वारा जहां 15 लोगों के शव पहले ही बरामद कर लिए गए थे। वहीं लापता चल रहे अग्रवाल कालोनी जलालाबाद फिरोजपुर पंजाब निवासी पंकज मल्होत्रा (40 वर्ष) का शव भी गुरुवार सुबह करीब 10 बजे पानीगांव पुल के पास से एनडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिया। पुलिस ने शव को एंबुलेंस से सीएचसी मांट भिजवा दिया। वहीं जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह द्वारा अपर जिला मजिस्ट्रेट वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा को प्रकरण की मजिस्ट्रीयल जांच हेतु जांच अधिकारी नामित किया गया है। उन्होंने सर्व-साधारण को सूचित किया है कि किसी भी व्यक्ति, दल एवं संस्था आदि को उक्त घटना के संबंध में जानकारी हो तो वह अपने लिखित व मौखिक अभिकथन एवं अभिलेखीय साक्ष्य (यदि कोई हो तो) अपर जिला मजिस्ट्रेट वित्त एवं राजस्व के समक्ष कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में 23 अप्रेल तक 10 से सायं 05 बजे के मध्य उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं।

महिला से 10 लाख की रंगदारी मांगने का आरोप

निजी मंदिर की दीवार तोड़कर कब्जा करने का प्रयास

बुलंद मंजिल / जाहिर आलम

वृन्दावन- गोधलीपुरम कॉलोनी में एक महिला ने अपने निजी मंदिर पर जबरन कब्जा और रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने नामजद व अज्ञात लोगों के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।

?मूल रूप से पहाड़गंज नई दिल्ली और हाल में गोधलीपुरम निवासी अनीता वर्मा उर्फ कौशल्या के अनुसार उन्होंने अपने आवास पर दुर्गा मंदिर बनवाया। कुछ समय पूर्व स्वास्थ्य खराब होने के कारण उन्हें मंदिर की सेवा हेतु एक पुजारी की आवश्यकता थी। आरोप है कि उनके परिचित हरिकांत शर्मा, उसकी पत्नी सविता शर्मा और पिता सेवक राम शर्मा निवासी कोसीकलां उनकी स्थिति का फायदा उठाते हुए 22 फरवरी 2024 को उन्हें बहला-फुसलाकर कोर्ट ले गए और बिना पढ़ाए कई दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराकर हरिकांत को पुजारी नियुक्त करवा लिया। जब पीड़िता ने पुजारी को लापरवाही के चलते पद से हटा दिया तो वह रंजिश रखने लगे। 8 मई 2025 को आरोपियों ने मंदिर की दीवार तोड़कर घुसपैठ की और सामान बाहर फेंक दिया। 28 मार्च 2026 की शाम आरोपियों ने पीड़िता को घेर लिया। हरिकांत ने उन्हें कट्टा (अवैध असलहा) दिखाकर डराया और मंदिर से बाहर निकलने के एवज में 10 लाख रुपये की मांग की तथा मारकर लाश बोरी में भरकर यमुना जी में फिंकवा देने की धमकी दी। वहीं पुलिस ने मंदिर के पूर्व पुजारी सहित 4 नामजद व 3-4 अज्ञात लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की विवेचना उपनिरीक्षक कुलवीर सिंह को सौंपी है। पीड़िता ने पुलिस से अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई है।

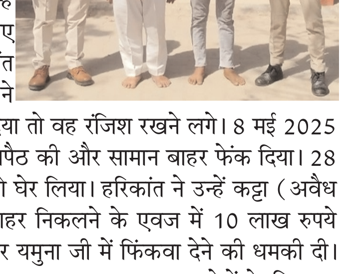

AKSHAY KUMAR'S 15-YEAR SAMOSA BAN HAS A SURPRISING REASON

Bollywood superstar Akshay Kumar recently made an unexpected revelation about his diet, while hosting the quiz reality show Wheel of Fortune. The actor, while interacting with contestants Vidhi Bharani, Riwaj Ghimire, and Nilam Rajput, revealed why he has been avoiding the famous Indian street food Samosa for over 15 years.

Contestant Vidhi was seen asking Akshay if it's true that he hasn't eaten a samosa in the past 15 years to which Akshay casually replied, "what's wrong with that?".

Vidhi further is seen asking how he could resist something as delicious as a samosa.

To this, Akshay then explains that it's not about dieting or putting on weight; he simply avoids samosas because they cause acidity, which makes him uncomfortable.

He added, "Jab maine woh gaana bhi kiya tha 'Jab Tak Rahega Samose Mein Aaloo' maine ek bhi nahi khaya tha," leaving everyone surprised.

Talking about Akshay Kumar, the actor even at almost 60, keeps extremely fit and is completely health conscious.

Reportedly, the actor likes to sleep on time and wake up before dawn.

In fact the actor also likes to perform all of his stunts in movies, however difficult, all by himself.

Akshay follows a disciplined lifestyle and prefers having his last meal of the day before 7 PM.

On the professional front, Akshay Kumar is all set for his upcoming movie Bhoot Bangla that also stars Rajpal Yadav, Paresh Rawal, Tabu, Wamiqa Gabbi and late veteran star Asrani. The movie is set to release on the 16th of April.

Anita Hassanandani's birthday cake brings her iconic roles to life, Ekta Kapoor shares glimpse

Actress Anita Hassanandani turned 45 on the 14th of April, and threw in a lavish birthday bash for her friends from the entertainment industry.

Producer and TV czarina Ekta Kapoor who also graced the special occasion of her BFF, gave fans a glimpse of Anita's unique birthday celebration by sharing a video of her specially designed cake on social media. The cake gave a glimpse of Anita's career in the entertainment industry. It was crafted in the shape of a retro television set, with antennas and dials.

It featured a collage of Anita's most iconic shows and characters from her career.

From her popular stint in Naagin to beloved shows like Kavyanjali, Kabhi Sautan Kabhi Saheli, and Yeh Hai Mohabbatein, the cake beautifully captured her journey on Indian television. Ekta Kapoor was seen appreciating the idea and execution behind the uniquely designed cake.

Talking about Anita Hassanandani's career, the actress who is a popular face on Indian television, has delivered umpteen number memorable performances.

She was most popular as Shagun Arora in the hit show Yeh Hai Mohabbatein.

In the same show, her character was admired for her chic style of sarees and especially blouses. The actress was also widely loved for her portrayal of the vamp Shesha in Ekta Kapoor's Naagin. The actress was also loved for her shows like Kabhi Sautan Kabhi Saheli and Kavyanjali.

Apart from television, Anita has also featured in movies like Kucch To Hai, Krishna Cottage, Yeh Dil.

Anita, who earlier went by the screen name Natasha, has been a part of the entertainment industry for almost 25 years. On the personal front, the actress married businessman Rohit Reddy in 2013, and is a mother to Aaravv Reddy who was born in 2021.

Amitabh Bachchan pens note on faith, struggle, and life's 'saturation'

Megastar of Hindi cinema Amitabh Bachchan has again stirred introspection with a deeply philosophical note, reflecting on the stark contrast between abundance and deprivation. The icon took to his blog, where he drew parallels from life's realities and wrote: "One can get saturated with items of food and its consumption .. but the poor never experienced the means of saturation .. for them just the faith that by the end of the day they shall get their food, is to them their saturation limit ..."

He spoke about how "saturation" holds different meanings for different people. The thespian shaed that while some are overwhelmed by excess, others find solace merely in the hope of a meal.

He wrote: "Saturation has many connotations...compared with the maximum possible .. dissolved and consumed... we by the grace of God are blessed to know, after many years of strain and effort... others put in the same effort, but do not get the similar response ..

'Vishv ka abhishaap bhaari' - the curse of life," he wrote. Weaving in references to belief, faith, and even Hamlet from William Shakespeare, the star underlined how faith ultimately guides humanity through uncertainty, even as it continues to divide and define us.

"There is saturation too on the modern elements that provide information .. hundreds of elements, and all with some unique inputs... which to believe and what to consume .. that is the question: Shakespeare and Hamlet: 'to be or not to be that is the question'" He added: "so... belief is the key word... belief , that consumes all of us that have faith as the guide... guided through life in the belief of some finality or the other .. and lasting a lifetime, through generations... belief the element .. and faith its follower .. separated and divided humanity... the explain to this is never needed .. we all know where this leads to. Keep well all and in belief."

Neha Dhupia finds freedom in going deglam for '52 Blue'

Neha Dhupia is stepping into an entirely new space with her debut international film titled 52 Blue, as she will be seen in a de-glam avatar for the very first time on screen. The actress said that going makeup-free was never a concern for her as she found it liberating.

Neha said in a statement: "52 Blue has been one of the most deeply moving and transformative experiences of my career. When I first read the script, what stayed with me was the quiet strength of the mother she doesn't speak loudly, but her presence shapes her son's entire world."

Directed by acclaimed Egyptian filmmaker Ali El Arabi, 52 Blue is a poignant coming-of-age story that follows a young Indian football enthusiast's journey as a migrant worker to the 2022 FIFA World Cup in Qatar.

The film explores themes of identity, aspiration, and resilience, set against a deeply emotional family backdrop.

She said that playing a mother to a young man for the first time was both challenging and incredibly fulfilling.

"Because it required me to tap into emotions that are raw, instinctive, and deeply human."

Neha added: "The deglam aspect of the role was never a concern for me; in fact, it was liberating. It allowed me to completely shed any layers of vanity and immerse myself fully into the life of this woman—her silences, her resilience, and her unconditional love."

"There's something very powerful about portraying a character who finds strength in vulnerability."

The film also stars Adil Hussain, who plays Neha's husband, marking their first on-screen collaboration.

Shot extensively in Kochi, India, Blue 52 traces the journey of Ashish (Yadav Shashidhar), a young boy growing up under the isolating control of his father on a remote island home.

With the quiet strength and support of his mother, and inspired by the memory of his late brother, Ashish eventually finds the courage to break free. His journey takes him across borders as he sets out to meet his idol, Lionel Messi, at the FIFA World Cup in Qatar 2022 - marking his first encounter with the larger world beyond his confined upbringing.

Regarding working with Ali El Arabi, Neha said it has been a revelation.

"His storytelling is so honest and rooted, and he creates an environment where you feel completely safe to explore and push your boundaries. Shooting in Kochi, in such a unique and intimate setting, added so much authenticity to the film," she added.

The actress said that at its heart, "52 Blue is a story about dreams, about breaking free, and about the invisible forces like a mother's belief that shape who we become."

"I feel incredibly grateful to be a part of a film that is so universal in its emotions yet so personal in its storytelling. It's a story that I believe will resonate with audiences across cultures and borders."

Anupam Kher meets Anil Kumble, calls him grace personified

Veteran actor-filmmaker Anupam Kher bumped into former India cricketer Anil Kumble at the airport and went on to not just heap praise on his sporting legacy but also his grace, humility, and deep-rooted connection to Indian culture. Anupam took to Instagram, where he mentioned the geotag of the Chatrapati Shivaji Terminal in Mumbai.

The actor also shared a selfie with Kumble, who was regarded as one of the greatest bowlers in cricket history, took 619 wickets in Test cricket and was the third-highest wicket taker of all time at the time of his retirement in 2008.

The actor-filmmaker wrote in the caption: "Met #AnilKumble at the airport—and what a delightful surprise that was! Of course, the world knows him as one of India's finest cricketers. But beyond the legend of the game, I discovered once again what a wonderful human being he is—graceful, grounded and full of quiet dignity."

Anupam mentioned that he had the privilege of listening to a beautiful Sanskrit recital by him and his wife Chethana.

"Recently, I had the privilege of listening to a beautiful Sanskrit recital by him and his wonderful wife Chethana. It was deeply moving and left a lasting impression on me."

Anupam concluded: "In a time where we often rush past our roots, they are nurturing and celebrating our culture with such sincerity. They truly are cultural ambassadors of our heritage in the most elegant way. Jai Ho!"

On the work front, Anupam, who was recently seen in his own directorial "Tanvi The Great", is set to reprise the role of Kamal Kishore Khosla in the second installment of the 2006 film "Khosla Ka Ghosla!".

तालाब विवाद बना साजिश का हथियार

अधिवक्ता पर फर्जी छेड़छाड़ केस का आरोप, कोर्ट की शरण में पहुंचा पीड़ित

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। बहेड़ी थाना क्षेत्र में सरकारी तालाब के विवाद ने अब गंभीर कानूनी मोड़ ले लिया है। गांव तेजनगर निवासी अधिवक्ता महेंद्र सिंह ने गांव के ही झम्मन लाल और उसकी पत्नी रेनू पर साजिशन फर्जी मुकदमा दर्ज कराने का आरोप लगाते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। पीड़ित का कहना है कि उसे झूठे छेड़छाड़ के मामले में फंसाने की कोशिश की गई, जबकि घटना के समय वह अस्पताल में मौजूद था। अधिवक्ता ने मामले को लेकर कोर्ट की शरण ली है, इसके बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अधिवक्ता महेंद्र सिंह के अनुसार, गांव के सरकारी तालाब का पट्टा लंबे समय से झम्मन लाल के नाम है। आरोप है कि झम्मन लाल गांव में दबंगई दिखाते हुए लोगों को झूठे मामलों में फंसाकर अवैध वसूली करता है। ग्रामवासियों की शिकायत पर जब पट्टा निरस्त कराने की प्रक्रिया शुरू हुई, तो झम्मन लाल अधिवक्ता से रंजिश मानने लगा। इसी के चलते उसने अपनी पत्नी के साथ मिलकर षड्यंत्र रच डाला। झूठे आरोप का दावा दिनांक 25 जनवरी 2026 को झम्मन लाल की पत्नी ने आरोप लगाया कि महेंद्र सिंह और एक अन्य व्यक्ति ने तालाब पर छेड़छाड़ की। लेकिन अधिवक्ता का दावा है कि उस समय वह सुबह 9 बजे से 10:48 बजे तक बहेड़ी के अरोरा अस्पताल में अपने बच्चे का इलाज करा रहा था, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंपा जा चुका है।

पुलिस पर भी उठे सवाल

पीड़ित का आरोप है कि थाना बहेड़ी पुलिस को सबूत देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई,उल्टा उसे ही डराया-धमकाया जा रहा है। आरोपी पक्ष के खिलाफ पहले भी कई फर्जी मुकदमे दर्ज कराने और अवैध वसूली के आरोप हैं

कई स्तर पर शिकायत, नहीं मिली राहत

महेंद्र सिंह ने बताया कि थाना बहेड़ी में प्रार्थना पत्र दिया,31 जनवरी 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड डाक भेजी,इसके बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई, जिसके बाद मजबूर होकर न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। इसके बाद कोर्ट का आदेश पर थाना बहेड़ी में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

किस्तों में खरीदा कैंटर, अब न पैसा दे रहा न गाड़ी लौटा रहा! पीड़ित ने थाने में दी तहरीर

6 लाख से ज्यादा बकाया, बैंक के दबाव में आया वाहन मालिक–खरीदार और गवाह पर कार्रवाई की मांग

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। किला थाना क्षेत्र ममें वाहन बिक्री के बाद भुगतान न मिलने का मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने खरीदार पर लाखों रुपये हड़पने और गाड़ी वापस न करने का आरोप लगाते हुए थाना किला में तहरीर दी है। पीड़ित का कहना है कि अब बैंक की किस्तों के दबाव के चलते वह मानसिक रूप से परेशान है।

मुरावपुरा गढ़ी चौकी निवासी अविनाश मौर्य ने बताया कि उसने 16 नवंबर 2024 को अपना आयशर कैंटर (वढ 25 एळ 6330) राजकुमार मिश्रा को 13,73,600 रुपये में बेचा था। सौदे के समय 1,50,000 रुपये बयाना चेक के माध्यम से मिला।शेष रकम 28 किश्तों में 43,700 रुपये प्रति माह देने का लिखित इकरारनामा हुआ,हर माह की 14 तारीख को भुगतान तय था।

16 में से सिर्फ 2 किश्त, 6 लाख से ज्यादा बकाया

प्रार्थी के अनुसार, अब तक 16 किश्तों में सिर्फ 2 किश्त ही मिली हैं।14 किश्तों के 6,11,800 रुपये अभी भी बकाया हैं।आरोप है कि खरीदार न तो पैसा दे रहा है और न ही वाहन वापस कर रहा है।

बैंक का दबाव, बढ़ी परेशानी

गाड़ी एचडीएफसी बैंक से फाइनेंस है। किश्तें न जमा होने के कारण बैंक लगातार घर पहुंच रहा है, जिससे प्रार्थी मानसिक तनाव में है। इस सौदे में गवाह के रूप में शादाब खान के हस्ताक्षर भी हैं। पीड़ित ने खरीदार के साथ-साथ गवाह पर भी कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस से कार्रवाई की मांग

अविनाश मौर्य ने थाना किला पुलिस से मांग की है कि खरीदार के खिलाफ धोखाधड़ी व अनुबंध उल्लंघन में मुकदमा दर्ज किया जाए, वाहन की बरामदगी या बकाया रकम दिलाई जाए मामले में शामिल अन्य व्यक्तियों की भी जांच हो। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पुरानी जेल परिसर में सूखे पत्तों में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित पुरानी जेल परिसर में जंगलनुमा हिस्से में सूखे पत्तों में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग नीचे पड़े कूड़े तक फैल गई, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की सूचना कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा सके। यह भी जांच की जा रही है कि आग हादसावश लगी या किसी शरारती तत्व की करतूत है। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है।

रोहिलखंड अस्पताल के पास लावारिस युवक का शव मिलने से हड़कंप

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना बारादरी क्षेत्र में रोहिलखंड पुलिस चौकी इलाके के अंतर्गत रोहिलखंड अस्पताल के पास एक करीब 35 वर्षीय युवक का शव लावारिस अवस्था में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।राहगीरों ने सड़क किनारे युवक को पड़े देखा और तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक जांच में युवक की पहचान नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक भिक्षावृत्ति कर जीवन यापन करने वाला प्रतीत हो रहा है और नशे का आदी भी हो सकता है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

तेज रफ्तार बाइक चालक ने किया बैंक मैनेजर पर हमला, दस्तावेज लूटकर फरार

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र में रोड रेज का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां तेज रफ्तार बाइक सवार ने न सिर्फ बैंक मैनेजर की कार में टक्कर मारी, बल्कि उनके साथ मारपीट कर जरूरी दस्तावेज भी लूटकर फरार हो गया। बारादरी थाना क्षेत्र के सुपर सिटी गेट के पास बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधक आलोक मिश्रा की कार में एक बाइक सवार ने तेज रफ्तार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार क्षतिग्रस्त हो गई। आरोप है कि बाइक सवार मंगल मौर्य (गाड़ी नंबर वढ25इअ8958) टक्कर के बाद मौके पर ही आक्रामक हो गया और बैंक मैनेजर के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। मारपीट के बाद लूट की वारदात पीड़ित के अनुसार, आरोपी ने मारपीट के दौरान उनके पास मौजूद बैंक के जरूरी दस्तावेज छीन लिए और मौके से फरार हो गया। इस घटना में आलोक मिश्रा को काफी चोटें आई हैं। घटना के दौरान आसपास मौजूद दुकानदारों और राहगीरों ने बीच-बचाव कर किसी तरह पीड़ित को आरोपी के चंगुल से छुड़ाया। जिसमें बाद आलोक मिश्रा की तहरीर पर बारादरी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कंपोजिट विद्यालय बारीखेड़ा में हुआ वार्षिकोत्सव

दैनिक बुलन्द मंज़िल

रामनगर के कंपोजिट विद्यालय बारीखेड़ा में वार्षिकोत्सव एवं परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम मनाया गया कार्यक्रम का आरंभ ग्राम प्रधान दयावती ने किया उन्होंने कहा कि सभी अभिभावक अपने बच्चों का नामांकन विद्यालय में कराएं मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष सतेंद्र पाल सिंह ने खेलकूद, सांस्कृतिक प्रतियोगिता सर्वाधिक उपस्थित रहने वाले बच्चों एवं विद्यालय में वार्षिक परीक्षा में प्रथम द्वितीय तृतीय आने पर उन्हें पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रधान अध्यापक पवन कुमार दिवाकर ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालयों में नामांकन, उपस्थिति एवं ठहराव में वृद्धि के साथ ही विद्यालय से आत्मीयता, बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं टीमवर्क की भावना विकसित करने तथा विद्यालयी गतिविधियों में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी से बच्चों को आउट ऑफ स्कूल होने से रोकने के उद्देश्य से शारदा संगोष्ठी एवं वार्षिकोत्सव कार्यक्रम कराए जा रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान दयावती ने की। कार्यक्रम का संचालन रामनरेश ने किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार शिक्षिका कल्पना ने खजान सिंह, देवर्षि वर्मा सुनील कुमार मीनू के सहयोग से किया गया। इस मौके पर विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य ग्रामवासी आंगनवाड़ी बिंदेश्वरी आशा सुरता इत्यादि मौजूद रहे।

हजरत शाह सकलैन एकेडमी (कमेटी) के लोगो ने 13 गरीब कन्याओं का कराया निकाहा

दैनिक बुलन्द मंज़िल

फतेहगंज पश्चिमी_ जश्ने शाह सकलेन व शाह शराफत के मुबारक मौके पर हुआ सामूहिक विवाह। जानकारी के अनुसार कस्बे के प्रमुख समाजसेवी सरार्फा व्यापारी कमेटी सदर जनाब बाबू सकलैनी ने बताया कि गुलिस्ता सालों की तरह इस साल भी जेरे सरपरस्ती हजरत पीर ओ मुर्शीद अल्हाज शाह हजरत गाजी मियां हुजूर कादरी मुजदीददी मददाजिललाहुल आली मिन जानिब हजरत शाह सकलेन अकैडमी आफ इंडिया युनिट की तरह से कस्बा फतेहगंज पश्चिमी में नेशनल हाईवे किनारे एक बैंकट हॉल में हजरत शाह सकलेन अकादमी के एग्जाम 13 (गरीब) जरूरतमंद दूल्हा दुल्हन के निकहा कराए गए। और दूल्हा दुल्हन को जरूर का सामान एवं दान दहेज दिया गया। जिसकी सरपरस्ती पीरो मुर्शीद सरकार गाजी मियां ने फरमाई, प्रोग्राम में जनाब गोसी सकलैनी सहाब, जिया सकलैनी, मौलाना रूमान कारी अनबार सहाब व दिगर उल्मा ए जिराम ने नात ओ तकरीर से शमा बांधा दिया। गरीब लड़कियों (दूल्हा दुल्हन) की सामूहिक शादी विवाह समारोह में कस्बे की चेयरमैन इमराना बेगम, मोहम्मद शाहिद उर्फ कल्लू भाई, सभासद शराफत हुसैन, सभासद जाकिर हुसैन, तसलीम उर्फ टिंकू, मौलाना अहसन अंसारी, कमेटी सदर जनाब बाबू सकलैनी, युसूफ सकलैनी, शरीफ सकलैनी, तालिब सकलैनी, आरिफ सकलैनी, रिजवान सकलैनी, अल्फाज सैकलैनी, इल्यास सकलैनी, इकबाल सकलैनी, फैजान सकलैनी, अनस सकलैनी, शेरु सकलैनी, डॉक्टर मुदित, अकरम खान, वाजिद अंसारी, हारून चौधरी, विटटी भाई, अनीश सकलैनी आदि कस्बे के प्रमुख समाजसेवी, गणमान्य लोगों के साथ सभी मस्जिदों के इमाम और मौलाना मौजूद रहे। कमेटी सदर बाबू सकलैनी ने बताया कि 13 गरीब दूल्हा दुल्हन की शादी में कस्बे के प्रमुख समाजसेवियों और गणमान्य लोगों ने विशेष सहयोग दिया।

नशा और रफ्तार का कहर

दो सड़क हादसों में युवक घायल, अस्पताल में भर्ती

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। सुभाष नगर थाना क्षेत्र में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। अलग-अलग स्थानों पर हुए दो हादसों में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों ही मामलों में शराब का नशा हादसे की बड़ी वजह बनकर सामने आया है।

मणिनाथ निवासी 35 वर्षीय शेर सिंह बीती शाम अपने गांव नरियावल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में शराब के नशे की हालत में उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, नेकपुर बाग निवासी 28 वर्षीय राज किशोर उर्फ राजू सेटेलाइट की ओर काम पर जा रहा था। सुभाष नगर माल गोदाम के सामने किसी

अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से उसे जिला अस्पताल भिजवाया।

नशे में था घायल, नहीं बता पाया वाहन

बताया जा रहा है कि राजू भी शराब के नशे में था, जिसके चलते वह यह स्पष्ट नहीं कर सका कि किस वाहन ने उसे टक्कर मारी। वह होटल में साफ-सफाई और बैटरी से जुड़ा काम करता है। फिलहाल उसका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है और पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

चेकिंग के दौरान युवक से अवैध तमंचा व कारतूस बरामद, आर्म्स एक्ट में मुकदमा

दैनिक बुलन्द मंज़िल

फरीदपुर, फतेहगंज पूवी :थाना क्षेत्र में पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान एक युवक को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार 15 अप्रैल की रात उपनिरीक्षक सुनील कुमार चौधरी, उपनिरीक्षक संगम शर्मा व हमराही कांस्टेबल दीपक के साथ क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने व अपराधियों की धरपकड़ के लिए गश्त पर थे। इसी दौरान निवड़िया मोड़ की ओर जाते समय एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर तेजी से चलने लगा। शक होने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान युवक की लोवर की दाहिनी जेब से एक 315 बोर का अवैध तमंचा तथा दूसरी जेब से एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में युवक ने अपना नाम कैलाश पुत्र नेतराम निवासी ग्राम पचौमी थाना फरीदपुर, उम्र करीब 22 वर्ष बताया। आरोपी तमंचा रखने का कोई वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका।

पुलिस ने मौके पर ही आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी को रात करीब 11:17 बजे गिरफ्तार कर लिया। बरामद तमंचा और कारतूस को सील कर कब्जे में लिया गया तथा थाना फतेहगंज पूर्वी में आरोपी के खिलाफ धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कबाड़खाने में गुमशुदगी की सूचना! इज्जतनगर थाने की कार्यशैली पर गंभीर सवाल

गुमशुदा लोगों की जानकारी को बना दिया बेकार कागज, संवेदनशीलता पर उठे सवाल

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना इज्जतनगर में एक चौंकाने वाली लापरवाही सामने आई है, जहां गुमशुदा व्यक्तियों की अहम जानकारी को नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करने के बजाय कबाड़खाने जैसी स्थिति में डाल दिया गया। यह दृश्य पुलिस की कार्यप्रणाली और जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े करता है। सुनसान कोने में रखी मिली गुमशुदगी की सूचनाएं थाने में गुमशुदा व्यक्तियों की फोटो और विवरण, जो आमतौर पर नोटिस बोर्ड पर चस्पा किए जाते हैं, उन्हें एक सुनसान कोने में इस तरह रखा गया कि किसी की नजर ही न पड़े। ऐसा प्रतीत हुआ मानो इन सूचनाओं को जानबूझकर नजरों से दूर कर दिया गया हो। कैसे मिलेगी मदद, जब दिखे ही नहीं सूचना?

गुमशुदा मामलों में आम जनता की भागीदारी बेहद अहम होती है। लेकिन जब सूचना ही छुपा दी जाए, तो किसी व्यक्ति की पहचान और तलाश कैसे संभव होगी? इस लापरवाही से न सिर्फ पुलिस की जिम्मेदारी पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि पीड़ित परिवारों की उम्मीदों को भी झटका लगा है।

प्रभारी बोले-जानकारी नहीं, कराएंगे सुधार

मामले में जब थाना इज्जतनगर प्रभारी सुरेश चंद्र गौतम से बात की गई तो उन्होंने अनभिज्ञता जताते हुए कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं थी और वह तुरंत व्यवस्था को सही कराएंगे।

खेत में गेहूं काटते समय हमला, चार नामजद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज।

दैनिक बुलन्द मंज़िल

फरीदपुर, फतेहगंज पूवी : थाना क्षेत्र के ग्राम नगरिया नौबरामद में खेत पर गेहूं काटने गए युवक के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम शिवराजपुर निवासी बृजेश पुत्र राजवीर 15 अप्रैल 2026 को अपने खेत पर गेहूं काटने गया था। आरोप है कि इसी दौरान गांव के ही सुरजपाल पुत्र भूरे, तेजपाल पुत्र नरसिंह, गोपाली पुत्र नरसिंह तथा बलविंदर पुत्र विचित्र वहां पहुंच गए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर सभी आरोपियों ने एकजुट होकर बृजेश के साथ लात-घूंसों व लाठी-डंडों से मारपीट कर दी। पीड़ित के अनुसार मारपीट में उसे गंभीर चोटें आईं। साथ ही आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित ने थाना फतेहगंज पूर्वी पहुंचकर तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार का कहर: 9वीं के छात्र अमन की दर्दनाक मौत, घर में पसरा मातम

नवाबगंज में दावत से लौटते समय हुआ था सड़क हादसा

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। नवाबगंज थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार का कहर एक मासूम की जिंदगी लील गया। हरदुआ किफायतुल्लाह गांव निवासी 16 वर्षीय अमन की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

मृतक के चाचा ने जिला अस्पताल की मोर्चरी पर जानकारी देते हुए बताया कि रविवार शाम अमन अपने ममेरे भाई आतिव के साथ ननिहाल से दावत खाकर पैदल घर लौट रहा था। जैसे ही दोनों रिछोला कस्बे के पास पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अमन गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन जिंदगी की जंग लड़ते हुए गुरुवार को उसने दम तोड़ दिया। वहीं उसके साथ मौजूद आतिव भी गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज जारी है।

सबसे छोटा बेटा था अमन, मां का रो-रोकर बुरा हाल

अमन पांच भाई-बहनों में सबसे छोटा था और कक्षा 9 का छात्र था। पिता मजदूरी कर किसी तरह परिवार का पालन-पोषण करते हैं। बेटे की मौत की खबर मिलते ही मां केशर जहां का रो-रोकर बुरा हाल है और परिवार में मातम पसरा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे में शामिल बाइक को पुलिस ने बरामद कर लिया है, जबकि आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो वायरल, धार्मिक भावनाएं भड़काने की कोशिश! पुलिस से कार्रवाई की मांग

इंस्टाग्राम आईडी से वीडियो पोस्ट, फ्रिज में रखे मांस के साथ भड़काऊ कैप्शन

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत कर दिया है। एक इंस्टाग्राम अकाउंट [illegible]8917 से पोस्ट किए गए वीडियो में फ्रिज के अंदर मांस रखा दिखाई दे रहा है, जिसके साथ भड़काऊ और आपत्तिजनक कैप्शन लिखा गया है।

इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों में नाराजगी बढ़ गई। कई यूजर्स ने इस मामले को गंभीर बताते हुए पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की है और संबंधित अधिकारियों को टैग कर शिकायत की है।

युवक की पहचान और अकाउंट की जांच शुरू

वायरल पोस्ट के आधार पर संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट की पहचान की जा रही है। प्रोफाइल पर मौजूद जानकारी के अनुसार युवक ने खुद को [illegible] बताते हुए कई वीडियो अपलोड किए हैं। हालांकि, वीडियो की सत्यता और स्थान की पुष्टि अभी तक आधिकारिक रूप से नहीं हो सकी है।

पुलिस कर सकती है सख्त कार्रवाई

इस तरह के मामलों में धार्मिक भावनाएं भड़काने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है। माना जा रहा है कि शिकायत के आधार पर पुलिस साइबर सेल की मदद से मामले की जांच कर सकती है।